E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -141 | प्रयागराज, बुधवार 13 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले- भारत पर टैरिफ, रूस के लिए झटका,इस हफ्ते पुतिन से मिलेंगे, कहा- डील होगी या नहीं 2 मिनट में पता चल जाएगा

नयी दिल्ली। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर लगाए गए एक्स्ट्रा 25फीसदी टैरिफ को मॉस्को के लिए झटका बताया है। सोमवार को व्हाइट हाउस से बयान देते हुए ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका जब रूस से तेल खरीदने वाले उसके सबसे बड़े (चीन) या दूसरे सबसे बड़े (भारत) तेल खरीदार पर 50फीसदी टैरिफ लगाने की बात कहता है, तो यह रूस के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी टैरिफ ने रूस की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। ट्रम्प यूक्रेन में सीजफायर के मुद्दे पर इस हफ्ते पुतिन से मुलाकात करने वाले हैं। इस पर उन्होंने कहा- 'हम पुतिन से मुलाकात करेंगे, और बैठक के पहले दो मिनट में ही मुझे पता चल जाएगा कि सौदा हो सकता है या नहीं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प 15 अगस्त को अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे। इसका मकसद यूक्रेन में साढे तीन साल से चल रहे जंग को खत्म करना है। ट्रम्प और पुतिन की मुलाकात होती है तो यह पहली बार होगा जब दोनों नेता अमेरिका की जमीन पर मिलेंगे। रूस ने पहले पुतिन और ट्रम्प की मुलाकात के लिए यूएई का सुझाव दिया था। हालांकि बाद में ट्रम्प ने बैठक के लिए अलास्का को चुना। अलास्का उत्तरी ध्रुव के नजदीक कनाडा से सटी वो जगह है जो कभी रूस का हिस्सा हुआ करती थी। 158 साल पहले रूस ने इसे अमेरिका को सिर्फ 45 करोड़ रुपए में बेच दिया था।अमेरिका ने भारतीय स्टील, एल्युमिनियम और कई प्रोडक्ट्स पर 50फीसदी टैरिफ (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाया है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अब इसके जवाब में भारत भी चुनिंदा अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 50फीसदी तक टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो यह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर भारत का पहला औपचारिक पलटवार होगा। ट्रम्प ने 31 जुलाई को सभी भारतीय प्रोडक्ट्स पर 25फीसदी टैरिफ लगाया था। इसके बाद फिर 6 अगस्त को रूस से ऑयल इम्पोर्ट को लेकर भारत पर 25फीसदी का एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया था।स्टील और एल्युमिनियम विवाद फरवरी से चल रहा है, जब ट्रम्प प्रशासन ने इन मेटल्स पर 25फीसदी टैरिफ लगाया था। जून में इस ड्यूटी को बढ़ाकर 50फीसदी कर दिया गया। इससे कम से कम 7.6 बिलियन डॉलर, यानी 66,559 करोड़ रुपए के इंडियन एक्सपोर्ट पर असर पड़ा है। भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन यानी डब्लूटीओ में कहा था कि अमेरिका के कदम को 'नेशनल सिक्योरिटी' के नाम पर छिपाया गया है, जबकि असल में ये डब्लूटीओ के नियमों के उलट सेफगार्ड ड्यूटी हैं। वहीं अमेरिका ने इस मामले में बातचीत करने से मना कर दिया। इसके बाद भारत ने अब डब्लूटीओ नियमों के तहत पलटवार की कानूनी तैयारी कर ली है। हिंदुस्तान टाइम्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि अमेरिका भारत के साथ इस विवाद को अपने शर्तों पर सुलझाने की कोशिश कर रहा है। जिससे भारत के पास पलटवार के अलावा कोई और ऑप्शन नहीं बचा है। भारत अमेरिका के स्टील और मेटल से जुड़े अन्य प्रोडक्ट्स पर 50फीसदी तक टैरिफ लगा सकता है। भारत को अमेरिका 45 बिलियन डॉलर (3.94 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का एक्सपोर्ट करता है। वहीं, हालिया टैरिफ से पहले भारत का अमेरिका को एक्सपोर्ट 86 बिलियन डॉलर (7.53 लाख करोड़ रुपए) का था। अगर भारत टैरिफ के मामले में जवाबी कार्रवाई करता है, तो व्यापार घाटा और बदल सकता है। इस साल फरवरी में प्रेसिडेंट ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाइलैटरल ट्रेड को 500 बिलियन डॉलर (43.78 लाख करोड़ रुपए) तक बढ़ाने और बातचीत शुरू करने का वादा किया था, लेकिन अमेरिका भारत के कृषि और संवेदनशील सेक्टरों में ज्यादा रियायत चाहता है। वहीं अमेरिकी मांग को भारत ने ठुकरा दिया, जिसके बाद ट्रेड डील पर बातचीत ठप पड़ गई।

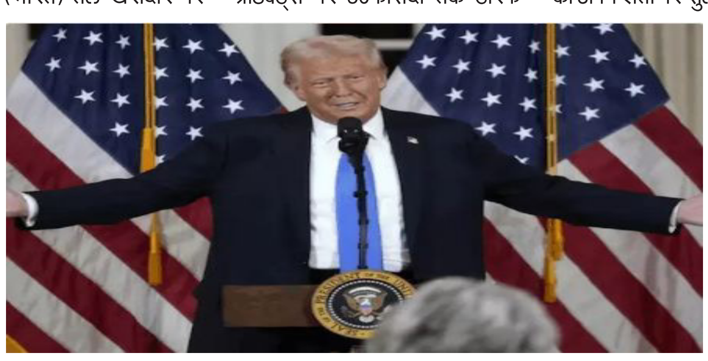

पाकिस्तान ने इंडियन डिप्लोमैट्स के घरों की गैस सप्लाई रोकी,लोकल वेंडर्स को सिलेंडर समेत मिनरल वाटर और न्यूज पेपर भी बंद किए

नयी दिल्ली। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों में गैस सप्लाई बंद कर दी है। इसके अलावा स्थानीय गैस सिलेंडर सप्लायर्स को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलेंडर न बेचें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद ने मिनरल वाटर और न्यूजपेपर की सप्लाई भी रोक दी है। पाकिस्तान ने यह फैसला भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तौर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तान बदले की छोटी-छोटी कार्रवाइयां कर रहा है। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में तैनात पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है। 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय डिप्लोमैट्स को इसी तरह परेशान किया था। उस समय, भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया, उप उच्चायुक्त जे.पी. सिंह, और नौसेना सलाहकार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा था। इन घटनाओं में लगातार पीछा करना, सुरक्षाकर्मियों से पूछताछ करना और फर्जी फोन कॉल करना जैसी हरकतें शामिल थीं। द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों को परेशान करने की 19 घटनाएं हुईं। राजनयिकों के उत्पीड़न में इस बढ़ोतरी के बाद भारतीय उच्चायोग ने यह मुद्दा पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के सामने उठाया था।पाकिस्तान के गैस, पानी और अखबार रोकने का फैसला वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमैटिक रिलेशंस (1961) का उल्लंघन है। कन्वेंशन के आर्टिकल 25 के मुताबिक मेजबान देश को डिप्लोमैटिक मिशन के सुचारू काम के लिए सभी सुविधाएं देनी होती हैं। पाकिस्तान ने जानबूझकर ये बुनियादी सप्लाई रोककर मिशन के काम और राजनयिकों की रोजमर्रा की जिंदगी में रुकावट डाली। कन्वेंशन का मकसद है कि डिप्लोमैट बिना भय और हस्तक्षेप के काम कर सकें।

वोटर वेरिफिकेशन पर लगातार दूसरे दिन हंगामा,विपक्षी सांसद 'मिंता देवी' की तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे,दावा- यह 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर

नयी दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर मंगलवार को भी विपक्ष ने हंगामा किया। इसके चलते लोकसभा दोपहर 3 बजे तक और राज्यसभा दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले प्रियंका गांधी समेत इंडिया ब्लॉक के सांसद मकर द्वार पर मिंता देवी के नाम और तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे। विपक्ष का दावा है कि मिंता देवी बिहार चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट में 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर हैं। विपक्ष के हंगामे के कारण विधेयकों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। सोमवार को भी बिना चर्चा के 8 विधेयक बिना बहस के ही पास हो गए। लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, नेशनल एंटी-डोपिंग (संशोधन) बिल, इनकम टैक्स (नंबर 2) बिल और टैक्सेशन लॉ (संशोधन) बिल पास हुआ। राज्यसभा में गोवा में अनुसूचित जनजातियों के विधानसभा क्षेत्रों के पुनर्संयोजन से जुड़ा बिल, मर्चेंट शिपिंग बिल, मणिपुर विनियोग बिल और मणिपुर जीएसटी (संशोधन) बिल पास किए गए।सोमवार को भी विपक्ष के 300 सांसदों ने वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ संसद से चुनाव आयोग के दफ्तर तक मार्च निकाला था। इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। हालांकि 2 घंटे बाद इन्हें छोड़ दिया गया था।

रिटेल महंगाई 8 साल के निचले स्तर पर आई,जुलाई में ये 1.55फीसदी रही,खाने-पीने का सामान सस्ता होने से घटी महंगाई

मुंबई। जुलाई में रिटेल महंगाई घटकर 1.55फीसदी पर आ गई है। ये 97 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले जून 2017 में ये 1.54फीसदी रही थी। वहीं जून 2025 के रिटेल महंगाई 2.10फीसदी रही थी। जबकि मई 2025 में 2.82फीसदी और अप्रैल 2025 में ये 3.16फीसदी पर थी। खाने-पीने के सामान की कीमतों में लगातार नरमी के कारण रिटेल महंगाई घटी है। आज यानी 12 अगस्त को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। रिटेल महंगाई फरवरी से आरबीआई के लक्ष्य 4फीसदी से नीचे है। जुलाई में खाने-पीने के सामानों की कीमत घटी महंगाई के बास्केट में लगभग 50फीसदी योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई माइनस 1.06फीसदी से घटकर माइनस 1.76फीसदी हो गई है। जून महीने में ग्रामीण महंगाई दर 1.72फीसदी से घटकर 1.18फीसदी हो गई है। वहीं शहरी महंगाई 2.56फीसदी से घटकर 2.05फीसदी पर आ गई है। इससे पहले 4 से 6 अगस्त तक हुई आरबीआई मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में भी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई का अनुमान 3.7फीसदी से घटाकर 3.1फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को 3.4फीसदी से घटाकर 2.1फीसदी कर दिया।महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे।

भूख-प्यास से खूंखार हुआ तेंदुआ,जाल डालकर लगाए गए पिंजरे,बांधे गए बकरे को किया घायल

प्रयागराज। प्रयागराज में तेंदुए का खौफ चार दिन से बरकरार है। करीब 15 गांवों के लोग दहशत में हैं और पूरी रात पहरेदारी कर रहे हैं। चार दिनों से भूखा, प्यासा तेंदुआ खूंखार हो चला है। उसके गुर्राने की आवाज और दहशत पैदा कर रही है। एक्सपर्ट की टीमें जेसीबी के सहारे आसपास मौजूद हैं। तेंदुए का जो वीडियो पेड़ों के बीच से बनाया गया, उससे तेंदुआ गुर्राता नजर आ रहा है। चार दिन से वह भूखा है, ऐसे में शिकार के लिए तड़प रहा है। उसने बकरों के झुंड पर हमला किया था, लेकिन वह बकरे को जख्मी ही कर सका, ले नहीं जा सका। आसपास पानी नहीं है, ऐसे में माना जा रहा है कि वह प्यासा भी होगा। भूख की वजह से तेंदुआ अब पेड़ की डाल पर पंजे मार रहा है। जहां तेंदुआ है, वहां रस्सी, तार और जाल बांधकर तेंदुए के शिकार की तैयारी है। तेंदुआ को पकड़ने के लिए अब एक्सपर्ट की टीमों ने शिकारियों जैसा जाल बिछाया है। चार तरफ पिंजरा, जाल फैलाकर मेमने, बकरे को बांधा गया है।वन विभाग के अधिकारी और एक्सपर्ट जेसीबी से आसपास का मुआयना कर रहे हैं। लेजर लाइट के साथ ही ट्रेंकुलाइजर गन लेकर मौजूद हैं।डीएफओ अरविंद कुमार समेत 20 टीमें, 5 ट्रेंकुलाइजर गन, 10 जाल और लखनऊ से आए दो एक्सपर्ट उसे पकड़ने की जुगत में हैं। घेराबंदी यूं की गई है कि तेंदुआ आगे की तरफ न जाए, बस भूख की वजह से मेमने, बकरे की आवाज सुनकर शिकार को आए और फंस जाए।

गंगा-यमुना का जलस्तर घटा,बाढ़ प्रभावित इलाकों में नगर निगम की सफाई युद्धस्तर पर,पूरे क्षेत्र में फॉगिंग

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार घट रहा है, जिससे बाढ़ का खतरा अब पूरी तरह समाप्त हो गया है। 8 बजे तक दर्ज आंकड़ों के अनुसार, यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 79.98 मीटर रहा, जो पिछले चार घंटों में 12 सेंटीमीटर घटा है। गंगा नदी का जलस्तर फाफामऊ में 80.88 मीटर (16 सेंटीमीटर कमी), छतनाग में 79.46 मीटर (14 सेंटीमीटर कमी) और बक्सी एसटीपी पर 80.07 मीटर (10 सेंटीमीटर कमी) दर्ज किया गया। यह सभी स्तर खतरे के निशान 84.734 मीटर से काफी नीचे हैं। प्रशासन ने पुष्टि की है कि सभी बांध पूरी तरह सुरक्षित हैं।जलस्तर में कमी के बावजूद, कई निचले इलाकों में अभी भी पानी जमा है, जिससे स्थानीय लोगों की दिक्कतें बनी हुई हैं। पानी उतरने के बाद बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में कीचड़ और गंदगी की मोटी परत जम गई है, जो संक्रामक और जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ा रही है। इस खतरे से निपटने के लिए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग ने युद्धस्तर पर अभियान शुरू किया है। नगर निगम की टीम प्रभावित इलाकों में सफाई अभियान चला रही है। मोहल्लों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जा रहा है, नालियों की सफाई और जमा कचरे को हटाने का काम हो रहा है। साथ ही सभी प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग कराई जा रही है, ताकि मच्छरों का प्रकोप कम हो और डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों को रोका जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कई स्वास्थ्य शिविर लगाए हैं, जहां बुखार, डायरिया और त्वचा संबंधी रोगों के मरीजों की जांच और मुफ्त दवाओं की आपूर्ति की जा रही है। डॉक्टरों की टीमें घर-घर जाकर लोगों को साफ पानी पीने, भोजन को ढककर रखने और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दे रही हैं। जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि राहत और सफाई अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो जाते।

पुतला जलाने पर सपा कार्यकर्ताओं पर एफआईआर,अखिलेश यादव की हिरासत के बाद किया था प्रदर्शन

प्रयागराज। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को सोमवार को नई दिल्ली में हिरासत में लिया गया।

इसके विरोध में प्रयागराज के सुभाष चौराहा और बैंक रोड पर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार का पुतला दहन कर नारेबाजी की। इस दौरान सड़क पर चक्का जाम कर दिया गया, जिससे आमजन और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस पर कई सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।कर्नलगंज थाना क्षेत्र के विश्वविद्यालय चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक पंकज कुमार ने दी गई तहरीर में बताया कि एक्स हैंडलर अतुल कुमार गौतम की पोस्ट से जानकारी मिली कि बैंक रोड चौराहे पर पुतला दहन किया जा रहा है।

खबरे ज़रा हटके

1. 32 साल में 105 शादियां कैसे कीं?

आपने अक्सर लोगों को शादी के दुखड़े बताते सुना होगा। कोई शादी करके दुखी है और कोई न होने की वजह से। वहीं, एक ठग ने बिना तलाक लिए एक-दो नहीं बल्कि 105 शादियां कर डालीं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड इस ठग का नाम जियोवन्नी विगलियोटो बताता है।हालांकि, दावे से नहीं कहा जा सकता कि यही उसका असली नाम है। जियोवन्नी ने 32 साल में अमेरिका समेत 15 देशों की महिलाओं को ठगी का शिकार बनाया। खास बात ये थी कि वो चोर बाजार में मिलने वाली महिलाओं से ठगी करता था।जियोवन्नी शुरुआती मुलाकातों में ही महिला को शादी का प्रपोजल दे देता। शादी के महिला से सारा सामान पैक करके उसके शहर चलने के लिए कहता और जब सामान ट्रक में लोड हो जाता तो ट्रक लेकर गायब हो जाता।इस तरह जियोविन्नी ने 105 महिलाओं से ठगी की लेकिन आखिरी महिला ने उसे ढूंढने की ठान ली। आखिरकार अमेरिका में फ्लोरिडा के चोर बाजार में वह पकड़ा गया और उसे 34 साल की सजा हुई.

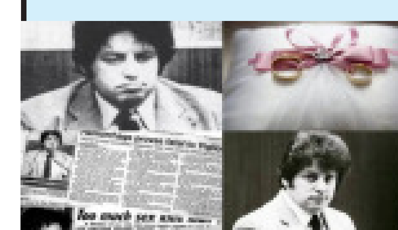

2. किसी देश की पूरी आबादी आस्ट्रेलिया क्यों जा रही है?

अक्सर लोग अपना देश छोड़कर किसी दूसरे देश में बस जाते हैं। वहीं, तुवालु नाम का पूरा का पूरा देश ही ऑस्ट्रेलिया शिफ्ट होने जा रहा है। इसकी वजह है ग्लोबल वॉर्मिंग। तुवालु एक आइलैंड है। समुद्र तक से इसकी औसत ऊंचाई 2 मीटर है।तुवालु पहला देश है, जो समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से डूबने की कगार पर है। 9 टापुओं वाले इसे देश के 2 टापू पहले ही समुद्र में डूब चुके हैं। कुछ सालों बाद बाकियों का भी यही हाल होने वाला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले 25 सालों में यहां रहने वाली आबादी को जबरदस्ती यहां से हटाना पड़ेगा।ऐसे में ऑस्ट्रेलिया ने तुवालु के साथ एक संधि की है। इसके तहत तुवालु के करीब 2.5इ लोग हर साल ऑस्ट्रेलिया जाकर स्थायी रूप से बसेंगे। ऑस्ट्रेलिया इन लोगों की हेल्थ, एजुकेशन और बसने का पूर्ण अधिकार देगा।हालांकि, एक रिपोर्ट के मुताबिक तुवालु की सिर्फ 20 प्रतिशत आबादी ही ऑस्ट्रेलिया जाकर बसने की इच्छुक है। इसके पीछे इनकी फाइनेंशियल स्थिति एक अहम वजह है। मानव इतिहास में यह पहली बार है जब एक पूरे देश को योजना बनाकर किसी दूसरी जगह शिफ्ट किया जा रहा है।

3. पूरी बॉडी पर टैटू बनवाने वाला शख्स कौन है?

रिकॉर्ड बनाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। कनाडा के रेमी स्कोफील्ड ने इसके लिए पूरे शरीर पर टैटू बनवाए हैं। रेमी खुद को दुनिया में सबसे ज्यादा टैटू बनवाने वाला आदमी बताते हैं। उनने शरीर पर टैटूज की करीब 30 परतें हैं। मतलब उन्होंने अपनी पूरी बॉडी पर 30 बार परत दर परत टैटू बनवाए हैं।2001 में चेहरे पर पियर्सिंग (छेद कराना) कराने से रेमी का यह सफर शुरू हुआ था। फिर उन्होंने अपने बेटे के लिए एक टैटू बनवाया। इसके बाद तो रेमी के चेहरे का थोड़ा सा हिस्सा छोड़कर ऐसा कोई भाग नहीं बचा जहां उन्होंने टैटू न बनवाए हों।कई टैटूलवर सेंसिटिव बॉडी पार्ट्स पर टैटू कराने से बचत हैं लेकिन ने अपने जेनिटल पार्ट्स पर भी टैटू बनवा चुके हैं। रेमी बताते हैं कि जेनिटल पार्ट्स पर टैटू करवाते समय बेतहाशा दर्द हुआ लेकिन वो उसे भी बर्दाश्त कर गए। रेमी की बगलों (आर्मपिट) में 17 बार टैटू बने हैं।इसके लिए उन्हें पिछले कुछ सालों में 33 बार टैटू पार्लर जाना पड़ा। अपने इस शौक पर वे अब तक 3 लाख 94 हजार कनाडाई डॉलर यानी करीब ढाई करोड़ रुपए खर्च कर चुके हैं। इन्हें बनाने में रेमी ने कुल 3 हजार 300 घंटे बिताए हैं। वे अभी भी हर सप्ताह कई बार टैटू बनवा रहे हैं और उनका ये सफर जल्दी खत्म होने वाला नहीं है।

4. चैटजीपीटी मानसिक बीमारी का कारण कैसे बना?

AI की वजह से आज तमाम तरह के काम बहुत आसानी से हो रहे हैं। हालांकि, इस पर आंख मूंदकर भरोसा करना परेशानी की वजह बन सकता है। ऐसी ही हुआ अमेरिका के एक बुजुर्ग के साथ। चैटजीपीटी (AI चैटबॉट) की एक सलाह से उनकी जान पर बन आई।अमेरिकन कॉलेज ऑफ फिजिशियन जर्नल्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक 60 साल के एक शख्स ने नमक की वजह से सेहत पर पड़ने वाले बुरे असर के बारे में कहीं पढ़ा। इस पर उन्होंने चैटजीपीटी से पूछा कि रोजाना के खान-पान से नमक कैसे हटाया जाए~AI की सलाह से पर उस व्यक्ति ने अपने खाने में बदलाव किया। उन्होंने नमक यानी सोडियम क्लोराइड हटाकर सोडियम ब्रोमाइड का इस्तेमाल शुरू कर दिया। 1900 के दशक की शुरुआत में इसका इस्तेमाल दवाओं में किया जाता था लेकिन ज्यादा मात्रा में इसका सेवन खतरनाक हो सकता है।शख्स तीन महीने से सोडियम ब्रोमाइड इस्तेमाल करता रहा। सेहत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उसने दावा किया कि उसका पड़ोसी उसे जहर दे रहा था। शुरुआत में उसने सोडियम ब्रोमाइल के इस्तेमाल की बात छुपाई लेकिन बाद में पूरी कहानी बताई।उसमें मतिभ्रम जैसे गंभीर न्यूरोसाइकियाट्रिक लक्षण भी पाए गए। रिपोर्ट में बताया गया कि चैटजीपीटी की सलाह से खान-पान में बदलाव करने से उसे 'ब्रोमिज्म' (एक तरह का न्यूरोलॉजिकल और मेंटल इलनेस) हो गया था। ब्रोमाइड के अधिक इस्तेमाल से यह बीमारी होती है।

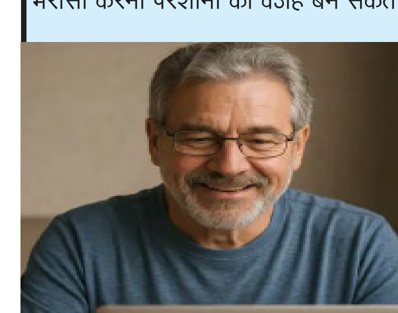

5. प्लास्टिक का थैला 85 हजार रुपए में क्यों बिक रहा है?

आपने सेलिब्रिटीज को महंगे और फैशनेबल बैग ले जाते देखा होगा। कई बार तो इनकी कीमत लाखों

में होती है। कई बार इन लग्जरी बैग्स की डिजाइन और प्राइज लोगों को सिर पीटने पर मजबूर कर देता है। हाल ही में एक विदेशी ब्रांड 'बलेनसियागा' ने ऐसा बैग लॉन्च किया है जो दिखने में प्लास्टिक के थैले जैसा है।इसकी कीमत 775 पाउंड यानी करीब 91 हजार रुपए है। फैशन इंडस्ट्री में इन दिनों वॉर्नआउट (फटा-पुराना) लुक ट्रेंड में है। ये कपड़े और एसेसरीज ऐसे दिखते हैं जैसे काफी पुराने और यूज किए हों। बलेनसियागा ने भी इस बैग के साथ भी कुछ ऐसा ही किया है। यह देखने में किसी सामान्य पॉलीथीन बैग जैसा लगता है। इतना ही नहीं इसे आसानी से फोल्ड करके जेब में रखा जा सकता है। हालांकि, इसे पॉलीएमाइड और डाइनिमा जैसे मजबूत मटीरियल से तैयार किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब बलेनसियागा ने इस तरह का कुछ अजीब प्रोडक्ट लॉन्च किया है। कुछ दिन पहले इसने वॉर्नआउट स्नीकर्स (जूतों का एक प्रकार) लॉन्च किए थे जिसकी कीमत 520 पाउंड यानी करीब 61 हजार रुपए थी।

कन्नौज की इत्र नगरी अब आ गईं हैं अपने संगम नगरी प्रयागराज में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज और कन्नौज

की दो सहेलियों ने शुरू किया नया व्यवसाय - 'RIK PERFUMES' रियल इत्र कन्नौज परफ्यूम प्रयागराज और साथ ही साथ डांस क्लासेज भी शुरू किए 'RDX DANCE CLASSES & FITNESS CENTRE' नैनी (आधुनिक समाचार की विशेष रिपोर्ट) प्रयागराज और कन्नौज की दो युवा उद्यमी सहेलियाँ, शालिनी केसरवानी और आरोही कौशिक ने मिलकर एक नई मिसाल कायम की है। दोनों ने मिलकर डांस क्लासेस और एक नया परफ्यूम ब्रांड 'RIK PERFUMES' लॉन्च किया है, जो स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। शालिनी और आरोही का RIK PERFUMES BRAND नंबर वन टापेस्ट परफ्यूम रैंक पर है इन दोनों सहेलियों को नृत्य और व्यवसाय में गहरी रुचि रही है। अब उन्होंने अपने सपनों को साकार करते हुए एक साथ दो नए उपक्रमों की शुरुआत की है। उनकी डांस क्लासेस में बच्चों से लेकर युवाओं तक को शास्त्रीय, क्लासिकल कथक वॉकिंग फोक बॉलीवुड और भी प्रकार की डांस स्टाइल उनके डांस क्लास में सिखाई जा रही है वहीं, उनका परफ्यूम ब्रांड 'RIK PERFUMES खास भारतीय खुशबुओं से तैयार किया गया है, जो बाजार में धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रहा है। शालिनी कहती हैं, 'हमने अपने शौक और हुनर को व्यवसाय में बदलने का फैसला लिया, और साथ मिलकर ये सफर शुरू किया। हमारा लक्ष्य है कि हम और भी लड़कियों को प्रेरित करें।' उन सब की इंस्पिरेशन और आइडियल बने। आरोही ने बताया, 'सपनों को पूरा करने के लिए ज़रूरी है कि आप किसी भरोसेमंद के साथ कदम बढ़ाएं। हमारी दोस्ती ने हमें वह ताक़त दी है।' प्रयागराज और कन्नौज की यह दोस्ती और उद्यमिता की कहानी अन्य युवाओं और खासकर लड़कियों के लिए प्रेरणा बन रही है।

बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर 40 करोड़ का कॉरिडोर पहली ही बाढ़ में हुआ क्षतिग्रस्त

प्रयागराज। संगम तट पर बड़े हनुमान मंदिर में बनाए जा रहे 40

करोड़ रुपए के कॉरिडोर प्रोजेक्ट का पहला चरण पहली ही बाढ़ झेल नहीं पाया। गंगा में आई पहली बाढ़ की मार ने मंदिर परिसर की दीवारों और कॉरिडोर के पत्थरों को उधेड़ कर रख दिया है। दीवारों से पत्थर उखड़ गए हैं। यह स्थिति महज कुछ ही महीनों में सामने आ गई, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कुल 11,589 वर्ग मीटर भूमि का अधिग्रहण किया गया था। जिसमें से 535 वर्ग मीटर में बड़े हनुमान मंदिर के गर्भगृह और परिक्रमा पथ का निर्माण होना है। जबकि 2,184 वर्ग मीटर क्षेत्र में कॉरिडोर का विस्तार किया जाना था। पहले फेज का काम महाकुंभ से पहले पूरा कर लिया गया था। 13 दिसम्बर 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसका उद्घाटन बड़े धूमधाम से हुआ था। वहीं अभी दूसरा फेज निर्माणाधीन हैकॉरिडोर के निर्माण कार्य की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को दी गई थी,पत्थरों का उखड़ना और दीवारों का टूटना यह दर्शाता है कि निर्माण कार्य में या तो मानकों की अनदेखी की गई या फिर घटिया सामग्री का उपयोग हुआ।स्थानीय लोगों का कहना है कि बाढ़ तो हर साल आती है और संगम क्षेत्र में तो यह एक आम बात है, फिर भी अगर कॉरिडोर जैसे स्थायी निर्माण पहली ही बाढ़ में जवाब दे दें, तो यह सीधा-सीधा भ्रष्टाचार और लापरवाही का मामला है।महाकुंभ जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन को देखते हुए सरकार ने संगम और उसके आस-पास के क्षेत्रों में अधोसंरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से कई परियोजनाओं को मंजूरी दी थी, जिसमें बड़े हनुमान मंदिर का कॉरिडोर प्रमुख था।इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं की भीड़ को सुगमता से नियंत्रित करना और दर्शन को सुविधाजनक बनाना था। लेकिन जिस तरह से यह निर्माण कार्य चंद महीनों में ही खराब हो गया, उसने पूरे प्रोजेक्ट की साख पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

बिजली का करंट लगने से व्यक्ति की मौत,40 वर्षीय मनोज कुमार घर में पंखा चलाते समय करंट की चपेट में आए

प्रयागराज। थाना कीडगंज

क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दुखद घटना सामने आई। इंद्रपुरी कॉलोनी बैरहना में बिजली का करंट लगने से 40 वर्षीय मनोज कुमार की मौत हो गई। मनोज 304/27 इंद्रपुरी कॉलोनी के निवासी थे। घटना रात के समय की है जब मनोज के घर में बिजली आपूर्ति बाधित थी। बिजली की समस्या को ठीक करने के बाद वह पंखा चालू करने गए। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए। उनकी चीखें सुनकर परिवार के सदस्य दौड़े और उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में इसे करंट लगने से हुई मौत का मामला माना है। मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत के सटीक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी।पड़ोसियों के अनुसार, यह घटना या तो घरेलू बिजली कनेक्शन में खराबी से हुई या किसी खुले तार के संपर्क में आने से। घटना के बाद से मृतक के परिजन गहरे सदमे में हैं। स्थानीय प्रशासन ने क्षेत्र के निवासियों को बिजली संबंधी सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत गुरु गोविंद सिंह उद्यान से निकाली गई मोटर साइकिल तिरंगा रैली,बेसिक, जूनियर और माध्यमिक शिक्षा विभाग के अध्यापकों और कर्मचारियों ने निकाली तिरंगा रैली

विकास भवन से युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग व महिला कल्याण विभाग ने भी निकाली तिरंगा रैली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला बीजेपी अध्यक्ष बुद्धि लाल और एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत गुरु गोविन्द सिंह उद्यान से मोटर साइकिल तिरंगा रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। मोटर साइकिल रैली नगर के विभिन्न स्थानों डिग्री कालेज चौराहा, दीवानी न्यायालय, रामकृपाल चौराहा, घंटाघर, सुपरमार्केट, चंदापुर कोठी, कचेहरी रोड होते उद्यान पर ही आ कर समाप्त हुई। इस रैली में बेसिक, जूनियर और माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों, अध्यापकों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। रैली 'भारत माता की जय' का नारे लगाते हुए शहर के विभिन्न स्थानों से गुजरी, जहां पर नगर वासियों

ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। रैली में जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र सिंह, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, एसडीएम न्यायिक अहमद फरीद खान, जिला पर्यटन अधिकारी सुधीर गिरी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में विकास भवन से युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा पी0आर0डी0 स्वयं सेवक, मंगल दल तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार महिला कल्याण विभाग द्वारा हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के कार्मिक शेफाली सिंह, जिला मिशन कोऑर्डिनेटर पूजा तिवारी, जेंडर स्पेशलिस्ट सुषमा कश्यप के साथ विकास भवन से अस्पताल चौराहे तक तिरंगा रैली निकली गई, जिसमें क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अंजू यादव, आरिफ, अफ़सरुल, गणेश, दिनेश, पुष्पेंद्र, निशा, अनीता आदि सहित जनपद से समस्त जवान उपस्थित रहे।

उद्योग बंधु की बैठक में उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अरविंद राय द्वारा नए जिलाधिकारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उद्योग बंधु की बैठक के अवसर पर उत्तर प्रदेश स्टेट

इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अरविंद राय द्वारा जिले के नवागत जिलाधिकारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर श्री राय ने आशा व्यक्त की कि नए जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में जिले में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी तथा उद्यमियों को सहयोग और प्रोत्साहन प्राप्त होगा। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर भी सार्थक चर्चा की गई। जिलाधिकारी महोदय ने उद्योग जगत को प्रशासन का पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा कि निवेश को बढ़ावा देने एवं रोजगार सृजन के लिए प्रशासन हरसंभव प्रयास करेगा।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट ईशान्या राज के विदेश प्रवास से मरीजों में बढ़ी चिंता,लोगों ने की भारत लौटने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। देश की प्रतिष्ठित क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. ईशान्या राज के हाल ही में भारत से विदेश प्रवास करने के बाद, उनके मरीजों और परामर्श लेने वालों में गहरी चिंता और असहजता का माहौल व्याप्त है। डॉ. ईशान्या राज, जो वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अत्यंत समर्पण और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही थीं, अब विदेश में कार्यरत हैं। उनके अचानक प्रवास के कारण भारत में रह रहे सैकड़ों नियमित मरीजों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से संबंधित मरीजों ने सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों के जरिए भावनात्मक अपील की है कि डॉ. ईशान्या भारत लौटकर पुनः अपनी सेवाएं प्रारंभ करें। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत कई संस्थानों, संगठनों और विशेषज्ञों ने भी इस स्थिति पर चिंता जताई है। वर्तमान

समय में जहां भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की भारी आवश्यकता है, वहीं योग्य और अनुभवी विशेषज्ञों की संख्या सीमित है। ऐसे में डॉ. ईशान्या राज जैसी विशेषज्ञ का देश से बाहर चले जाना, मरीजों के लिए अत्यंत कष्टकारी सिद्ध हो रहा है। जनहित में यह अपील की जाती है कि डॉ. ईशान्या राज, अपनी नैतिक जिम्मेदारी और मरीजों की मानसिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, जल्द से जल्द भारत लौटें और पुनः अपनी सेवाएं देश में प्रदान करें। यह प्रेस विज्ञप्ति उन सभी मरीजों, परिवारों और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े व्यक्तियों की ओर से जारी की जा रही है, जो डॉ. ईशान्या की वापसी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा रैली का भव्य आयोजन विकासखंड दिशागौरा में किया गया। रैली विकासखंड कार्यालय से प्रारम्भ होकर ग्राम पंचायत गौरा हरदो के प्राथमिक विद्यालय एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय होते हुए विकासखंड परिसर में समाप्त हुई। तिरंगा रैली में विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जगह-जगह पर स्थानीय लोगों ने तिरंगा रैली का स्वागत किया। खंड शिक्षा अधिकारी अशोक सचान ने विद्यार्थियों को बताया कि तिरंगा केवल हमारी आज़ादी का प्रतीक नहीं, बल्कि एकता, अखंडता और गर्व का प्रतीक है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने घरों, कार्यस्थलों और मन में सदैव तिरंगे का सम्मान बनाए रखें।

एक से 19 साल की आयु के 5.87 लाख बच्चों ने खाई एल्बेंडाजोल,शहरी क्षेत्र और 10 ब्लाक में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में शहरी क्षेत्र और 10 ब्लाक में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित हुआ जिसके तहत एक से 19 साल की आयु के बच्चों मदरसों में शिक्षकों के माध्यम से एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गयी। इसके साथ ही कस्तूरबा विद्यालयों, बाल सुधार गृह, में भी दवा खिलाई गयी। आयोजित दिवस पर 5.87

को पेट से कीड़ें निकालने की दवा एल्बेंडाजोल खिलाई गयी। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में बच्चों को एल्बेंडाजोल खिलाकर किया। उद्घाटन के मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि बच्चों के पेट में कीड़े होने से न केवल उनका शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। इसलिए साल में दो बार फरवरी और अगस्त में अभियान चलाकर पेट से कीड़े निकालने की दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाती है। उन्होने उपस्थित अध्यापकों से कहा कि सभी बच्चों को दवा खिलाना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के नोडल और जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी ने बताया कि शहरी क्षेत्र और 10 ब्लॉक दृ छतोह, रोहनियां, अमावां, डलमऊ, दीन शाह गौरा, जगतपुर,लालगंज, सरेनी, शिवगढ़ और ऊंचाहार के से 19 साल की आयु के 8.27 लाख बच्चों को एल्बेंडाजोल खिलाने का लक्ष्य है बाकि आठ ब्लाक में सर्वजन दवा सेवन (आईडीए)अभियान के तहत यह दवा खिलायी जायेगी। जो बच्चे दवा खाने से वंचित रह जायेंगे उन्हें 14 अगस्त को मॉप अप राउंड के तहत दवा खिलाई जाएगी। इस अभियान में शिक्षा विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज, ग्राम्य विकास एवं सूचना विभाग ही सहयोग कर रहे हैं। एक से छह साल तक की आयु के सभी पंजीकृत, गैर पंजीकृत बच्चों तथा छह से 19 वर्ष तक के स्कूल न जाने वाले बच्चों, ईंट भट्ठों पर कार्य करने वाले श्रमिक एवं घुमंतू लाभार्थियों आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से दवा खिलाई गयी, जबकि छह से 19 वर्ष तक के छात्र-छात्राओं को सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, प्राइवेट स्कूलों, लाख बच्चों ने एल्बेंडाजोल का सेवन किया। उन्होंने कृमि संक्रमण के लक्षण के बारे में बताया कि गंभीर कृमि संक्रमण से कई लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं जैसे दस्त, पेट में दर्द, कमजोरी, उल्टी और भूख ना लगना। बच्चों में कीड़े की मात्रा जितनी अधिक होगी लक्षण उतने ही अधिक होंगे। हल्के संक्रमण वाले बच्चों में आमतौर पर कोई लक्षण नहीं दिखते हैं। कृमि मनुष्य की आंत में रहते हैं और जीवित रहने के लिए मानव शरीर के जरूरी पोषक तत्व को खा जाते हैं कृमि संक्रमण से बचाव का सुरक्षित और लाभकारी तरीका है कि एल्बेंडाजोल का सेवन। उन्होंने एल्बेंडाजोल के फायदे के बारे में बताया है कि स्वास्थ्य और पोषण में सुधार। रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि। एनीमिया नियंत्रण। समुदाय में कृमि संक्रमण की व्यापकता में कमी। सीखने की क्षमता और कक्षा में उपस्थिति में सुधार। व्यस्क होने पर काम करने की क्षमता और आय में बढ़ोतरी। कृमि संक्रमण से बचाव के तरीके के बारे में बताया कि नाखून साफ और छोटे रखें। हमेशा साफ पानी पीयें। खाने को ढक कर रखें। साफ पानी से फल व सब्जियां धोएं। आसपास सफाई रखें। जूते पहने। खुले में शौच न करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें, अपने हाथ साबुन से धोएं विशेष कर खाने से पहले और शौच जाने के बाद। इस अवसर पर प्रधानाचार्य पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एस के0 श्रीवास्तव, नोडल अध्यापक आर0बी0 वर्मा, शहरी नोडल अधिकारी डॉ राकेश कुमार यादव, उप जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अंजलि सिंह, शहरी स्वास्थ्य समन्वयक विनय पाण्डेय उप प्रधानाचार्य राजेश त्रिपाठी, कंचन लता, अंकित शुक्ला सहित विद्यालय के समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर की छात्राओं ने दिखाई मानवता की मिसाल,बाढ़ में फंसे लावारिस डॉग्स को टीम ने पहुँचाया भोजन और सुरक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 11 अगस्तः नैनी

इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर की कोपा ट्रेड की छात्राओं ने हाल ही में आई बाढ़ के दौरान एक सराहनीय कार्य कर समाज में मानवता की एक मिसाल पेश की है। इन छात्राओं ने एक टीम बनाई जिसकी टीम लीडर शिवी शर्मा हैं। बाढ़ के कारण जब कई इलाके जलमग्न हो गए और आवागमन के साधन बाधित हो गए, उस समय सड़कों पर फंसे लावारिस और भूखे प्यासे डॉग्स की स्थिति बेहद दयनीय हो गई थी। ऐसे में शिवी शर्मा के नेतृत्व में छात्राओं की इस टीम ने साहस दिखाते हुए उन जानवरों तक खाना पहुँचाया और उनकी देखभाल की। टीम द्वारा डॉग्स को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया और उन्हें खाना खिलाकर उनके प्रति अपने दायित्व का निर्वहन किया गया। इसके साथ ही, जानवरों को अस्थायी आश्रय भी प्रदान किया गया जहाँ उन्हें छांव और सुरक्षा मिल सके। संस्थान के प्रधानाचार्य और प्रशिक्षकों ने छात्राओं के इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की है और कहा कि ऐसे कार्य समाज में संवेदनशीलता और करुणा की भावना को बढ़ावा देते हैं। यह कार्य न केवल मानवता का प्रतीक है, बल्कि यह दिखाता है कि नई पीढ़ी समाज और पर्यावरण के प्रति कितनी जागरूक और संवेदनशील है।

सूचना शपथ पत्र

शपथपत्र मिनजानिब सतीश चन्द्र पाण्डेय (SATISH CHANDRA PANDEY) निवासी 16F/74M/2, काजीपुर ADA कालोनी नैनी, जिला प्रयागराज।

मैं शपथकर्ता बहलफ धर्म से निम्नलिखित बयान करता हूँ:- 1. यह कि शपथकर्ता उपरोक्त पते का निवासी है। 2. यह कि शपथकर्ता के पुत्र BHAVISHYA PANDEY आपके विद्यालय में कक्षा 8E का नियमित छात्र है आपके यहाँ अभिलेखों में शपथकर्ता के पुत्र का नाम BHAVISHY PANDEY व उसके पिता का नाम SATISH PANDEY अंकित हो गया है जो कि गलत है। 3 यह कि शपथकर्ता के पुत्र के आधार कार्ड में BHAVISHYA PANDEY व उसके पिता का नाम SATISH CHANDRA PANDEY अंकित है जो कि यही सही व सत्य है। 4 यह कि शपथकर्ता के पुत्र व उसके पिता का नाम संशोधन किया जाना न्यायहित में नितांत आवश्यक हैं।

मैं शपथकर्ता उपरोक्त बहलफ तस्दीक करता हूँ कि शपथपत्र की धारा 1 लगायत 4 मेरी निजी जानकारी में 'सच व सही है इसमें न कुछ झूठ है और न ही कुछ छिपाया गया है।

दिनांक- 11/08/2025 शपथकर्ता

बीजेपी नैनी मंडल द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंडल कार्यकर्ताओं, पदाधिकारीयो, पाषर्दों, व्यापारीगढ़ एवं सम्मानित क्षेत्र वासियों ने तिरंगा यात्रा को भव्य् य एवं सफल बनाया। भारतीय जनता पार्टी नैनी मंडल द्वारा आज विशाल एवं भव्य तिरंगा यात्रा का सफल आयोजन किया गया। यात्रा नैनी मंडल कार्यालय से प्रारंभ होकर मेवा लाल बगिया होते हुए स्टेशन रोड से नैनी बाजार से शंकर ढाल होते हुए सब्जी मंडी और वापस मंडल कार्यालय पर समापन किया गया। भव्य तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप मे महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता जी रहे। पैदल यात्रा की शोभा बढ़ाते बड़ी संख्या सम्मानित मंडल पदाधिकारी गण, कार्यकर्ता गण, पार्टी कार्यकर्ता, जिला स्तरीय कार्यकर्ता ने हर्षोल्लास के साथ हिस्सा लिया। तिरंगा यात्रा कार्यक्रम एवं हर घर तिरंगा अभियान के संयोजक ओमप्रकाश मिश्रा एवं सहसंयोजक समर बहादुर सिंह, सहसंयोजक धर्मेंद्र भारतीय ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष नरसिंह, महानगर संयोजक ज्ञानेश्वर , महानगर के पदाधिकारी राजन शुक्ला, नैनी मंडल प्रभारी रविंद्र जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिकिशन तिवारी, नैनी मंडल के सम्मानित पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सम्मानित् पार्षदगण राकेश जयसवाल, रणविजय सिंह, मुन्ना प्रधान, अनूप पासी, मयंक यादव, सम्मानित व्यापारी, क्षेत्रीय लोगों ने उपस्थित होकर यात्रा की शोभा बढ़ाने का कार्य किया। महानगर सहसंयोजय घर घर तिरंगा अभियान् दिलीप केसरवानी द्वारा कार्यक्रम को सुसज्जित कर सफल बनाया गया।

डीएम ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में स्मार्ट क्लास का किया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पीएम श्री राजकीय बालिका इन्टर कालेज में एच0डी0एफ0सी0 बैंक के सहयोग से सी0एस0आर0 मद से कराए गए स्मार्ट क्लास का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास के माध्यम से छात्राओं को आधुनिक शिक्षा की सुविधा प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार होगा व विभिन्न विषयों को रोचक और प्रभावी तरीके से सीख सकेंगी। स्मार्ट क्लास में स्मार्ट टीवी,स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, डेस्क बेंच आदि आधुनिक सुविधाओं उपलब्ध है। स्मार्ट क्लास में बच्चों को मिलेंगी शिक्षा की डिजिटल सुविधाएं।एच0डी0एफ0सी0 बैंक द्वारा सी0एस0आर0 फंड से लगभग 05 लाख रुपए से स्मार्ट क्लास का निर्माण कराया गया है, इसी क्रम में एचडीएफसी बैंक द्वारा लगभग 28 लाख रुपए की लागत से जनपद के 15 पीएम श्री विद्यालयों में बच्चों के बैठने हेतु सीट बेंच उपलब्ध कराई

जाएंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और स्मार्ट क्लास जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने से छात्राओं को बेहतर शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने सीएसआर मद से स्मार्ट क्लास की सुविधा प्रदान करने के लिए एच0डी0एफ0सी0 बैंक की सराहना की और कहा कि इस तरह के सहयोग से शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति हो सकती है।इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, एचडीएफसी बैंक के शाखा प्रबंधक शशांक श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य जीजीआईसी स्मिता मिश्रा सहित शिक्षकगण व छात्राएं उपस्थित रहीं। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत छात्राओं ने बनाई तिरंगा रंगोली व राखी जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में छात्राओं द्वारा बनाई गई तिरंगा रंगोली का भी अवलोकन किया। उन्होंने छात्राओं और अध्यापिकाओ का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं जिनमें सभी अध्यापक और छात्राएं बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे है। सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं और बधाई। डीएम ने बच्चों द्वारा बनाई गई तिरंगा राखी की भी प्रशंसा की।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत भजन संध्या एवं देश भक्ति के गीतों का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत भजन संध्या एवं देश भक्ति के गीतों का आयोजन रायबरेली विकास प्राधिकरण के सामुदायिक केंद्र, रतापुर में किया गया। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह व अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आर्य समाज कबीर बस्ती में स्वतंत्रता दिवस सम्पन्न, स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाजियों का सर्वाधिक योगदान-राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में मुख्यालय आर्य समाज कबीर बस्ती पुरानी सब्ज़ी मंडी दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय ध्वज लहराया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य महेन्द्र भाई ने राष्ट्र रक्षा यज्ञ के साथ हुआ।उन्होंने कहा कि यज्ञ की अग्नि सदैव उपर की और जाती है जीवन में आगे बढ़ने का संदेश देती है. केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द से प्रेरणा लेकर अनेको नौजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े और कॉंग्रेस के इतिहास कार डॉ. पट्टाभि सीतारमैय्या ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में जैलो में बन्द 80 प्रतिशत आर्य समाजी थे।आज सभी को राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना है और राष्ट्र विरोधी ताकतों को बेनकाब करना है।जातिवाद प्रांत बाद से ऊपर उठ कर राष्ट्र को मजबूत बनाना है क्योंकि राष्ट्र रहेगा तो सब सुरक्षित रहेंगे। इस अवसर सुनील खुराना, राम चन्द्र सिंह ,हरीश कुमार, अवधेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

रोहिणी में श्री खाटू श्याम बाबा के गगन भेदी जयकारों के साथ निकाली भव्य निशान यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री खाटू श्याम सेवा समिति द्वारा श्री खाटू श्याम बाबा सांवरे सरकार की भव्य निशान यात्रा गगन भेदी जयकारों के साथ निकाली गई। जोकि श्री बालाजी मंदिर सेक्टर 11 रोहिणी से शुरू हुई और जीअएस सिनेमा हॉल से होते हुए, सेक्टर 17 झंडा चैक से सेक्टर 16-17 के डिवाईडिंग रोड से होते हुए सेक्टर 15 से होते हुए लॉन न.1 शिवा टेन्ट एंड टेकोरेटर जापानी पार्क में जाकर समाप्त हुई। यात्रा की शुरु में सबसे पहले खाटू श्याम बाबा की ध्वज पताका चल रही थी। इसके बाद भक्तगण बाबा का झंडा लेकर पैदल चल रहे थे। यात्रा में भगवान श्री राम जी सपरिवार विराजमान थे और सबसे पीछे श्री खाटू श्याम बाबा की झांकी चल रही थी। निशान यात्रा में श्री खाटू ष्याम बाबा की झांकी आकर्शण का केन्द्र रही। निशान यात्रा में सैकडों की संख्या में श्याम प्रेमी हाथों में श्री श्याम बाबा का निशान लेकर बाबा की भक्ति में खोकर नृत्य करते हुए चल रहे थे। आगे आगे श्याम प्रेमी भजनों पर नृत्य कर रहे थे। इसके पीछे भव्य रुप से फूलों से सजे वाहन में श्री खाटू श्याम बाबा विराजमान थे। हाथों में निशान लेकर श्याम भक्त श्याम बाबा के भजनों और ढोल की थाप पर थिरकते हुए चल रहे थे। इस दौरान सभी ने जमकर जयकारे लगाए, जिससे आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया। इस भव्य निशाल यात्रा में श्याम बाबा का गुणगान करते हुए श्रद्धालु भक्ति भाव में चलते हुए देखें गए। भक्तों ने जगह जगह पर यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया व संपूर्ण वातावरण खाटू श्याम जी की भक्ति में डूबा देखा गया। इस दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं के जलपान की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर चेयरमैन हरीश शर्मा, वाइस चेयरमैन संजय मित्तल, चेयरमैन कंटोल बोर्ड जय किशन बंसल, अध्यक्ष कंटोल बोर्ड राजेश जैन, प्रेसिडेंट अमित गोयल, वाइस प्रेसिडेंट संजय गुप्ता, महामंत्री अरविंद गोयल, कोषाध्यक्ष सीए नितेश गोयल एवं उपाध्यक्ष कंट्रोल बोर्ड श्री नरेश मंगला जी सहित समिति के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ईपीसीएच ने भारत के हस्तशिल्प सेक्टर पर अमेरिकी टैरिफ के खतरे के मद्देनज़र सरकार से त्वरित कार्रवाई की अपील की,परिषद ने लक्षित राहत उपायों का प्रस्ताव रखा

अमेरिका को किए जाने वाले हस्तशिल्प निर्यात के लिए कॉस्ट इक्वेलाइजेशन इंसेंटिव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने अमेरिका द्वारा भारतीय हस्तशिल्प निर्यात पर 50इ टैरिफ लगाए जाने के बाद त्वरित कार्रवाई की अपील की है। यह निर्णय न केवल इस क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में डालता है, बल्कि लाखों कारीगरों की आजीविका पर भी संकट खड़ा कर रहा है। परिषद ने सरकार से आग्रह किया है कि वह निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और भारत की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए वित्तीय सहायता, प्रोत्साहन और राजनयिक प्रयासों को तेज करे। इस संकट पर विचार व्यक्त करते हुए, ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, 'अमेरिका भारत के हस्तशिल्प के लिए सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1.57 बिलियन अमरीकी डॉलर के निर्यात के साथ अमरीकी बाजार भारत के कुल हस्तशिल्प निर्यात का लगभग 40 प्रतिशत है। भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों पर 50 प्रतिशत रेसीप्रोकल टैरिफ लगाए जाने और इसके आगे बढ़ने की संभावना की वजह से इस क्षेत्र की व्यवहारिकता पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। टैरिफ का लगा ये झटका अमेरिका को होने वाले निर्यात में 25-30 प्रतिशत की गिरावट ला सकता है, जिससे 400-450 मिलियन अमरीकी डॉलर का संभावित राजस्व नुकसान हो सकता है।' इस संकट के रणनीतिक समाधान पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. खन्ना ने आगे कहा कि 'इन जोखिमों को कम करने के लिए, ईपीसीएच ने कुछ त्वरित राहत उपाय प्रस्तावित रखे है, जो स्पष्ट रूप से 'हस्तशिल्प/हस्त निर्मित' के रूप में प्रमाणित शिपमेंट पर लागू होंगे। इनमें अमेरिका को होने वाले हस्तशिल्प निर्यात पर दो वर्षों के लिए या जब तक टैरिफ पुनः वार्ता में न आए, 30 प्रतिशत कॉस्ट इक्वलाइजेशन इंसेंटिव (लागत समानता प्रोत्साहन); इंट्रेस्ट

इक्वलाइजेशन स्कीम (ब्याज समानता योजना) के लाभों को जारी रखने, जिसमें निर्माता और व्यापारी निर्यातकों दोनों के लिए लाभ 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6 प्रतिशत किया जाए; और आयकर अधिनियम की पूर्ववर्ती धारा 80एचएचसी के अनुरूप निर्यात पर आयकर छूट प्रदान की जाए।' निर्यातक समुदाय की तत्काल चिंताओं को उजागर करते हुए, ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि 'स्थिति तेज और लक्षित कार्रवाई की मांग करती है। हमारे प्रस्ताव तत्काल लागत असमानताओं को संतुलित करने, खरीदार संबंधों को बनाए रखने और कारीगरों की आजीविका की रक्षा के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। साथ ही, हम अमेरिका के साथ सक्रिय राजनयिक संवाद की मांग कर रहे हैं ताकि भारतीय हस्तशिल्प को उनकी सांस्कृतिक, श्रम-प्रधान और सतत् मूल्य के आधार पर विशेष दर्जा मिल सके। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इस क्षेत्र के भविष्य की रक्षा के लिए वित्तीय और राजनयिक दोनों स्तरों पर शीघ्र कार्रवाई करे।' इस मौके पर ईसीपीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल, ने कहा कि 'हमारे निर्यातक हाल के वर्षों के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुज़र रहे हैं, जहां मूल्य निर्धारण, मार्जिन और बाजार स्थिरता को लेकर उन पर लगातार दबाव बना हुआ है। अमेरिकी टैरिफ वृद्धि से ऑर्डर की कमी या हानि होना खरीदार के विश्वास में कमी और कार्यशील पूंजी की बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे व्यापार उन देशों की ओर स्थानांतरित हो सकता है जिन्हें अधिक अनुकूल टैरिफ शर्तें प्राप्त हैं। यदि सरकार समय पर और निर्णायक हस्तक्षेप करती है, तो हम इस चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं, अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत कर सकते हैं और भारत के हस्तशिल्प को वैश्विक स्तर पर पुनः पहचान दिला सकते हैं।' ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'हम सरकार के साथ मिलकर राहत उपायों, जैसे कि आपातकालीन राहत कोष, अमेरिका को भेजे जाने वाले माल के लिए सब्सिडी युक्त माल भाड़ा सहायता, ड्यूटी ड्रॉबैक और आरओडीटीईपी की दरों में वृद्धि, निर्यात प्रोत्साहन मिशन योजना के तहत लक्षित प्रचार योजनाओं का शीघ्र कार्यान्वयन, निर्यातकों के लिए दीर्घकालिक ऋण चुकौती पर दो वर्ष की मोहलत, अमेरिका के साथ टैरिफ पर द्विपक्षीय संवाद को तेज करना, साथ ही बाज़ार विविधीकरण, उत्पाद नवाचार और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना आदि को लागू करने पर कार्य कर रहे हैं।

यूनाइटेड ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन ने धूमधाम से निकाला तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। यूनाइटेड कॉलेज आफ

इंजीनियरिंग के छात्रों एवं फैकल्टी मेंबर्स ने दिल में अटूट राष्ट्र प्रेम का जज्बा लिए भारत माता की जय घोष करते हुए नॉलेज पार्क थर्ड ग्रेटर नोएडा के प्रांगण से होते हुए आसपास के सभी कॉलेजों की परिक्रमा करते हुए देश के प्रति राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संकल्प लिया।आपको बता दें कि सरकार ने स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी स्कूलों कॉलेजों को तिरंगा यात्रा आयोजित करने का आदेश जारी किया है.इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर अनिल कुमार यादव, इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट की एचओडी डॉ पूजा शर्मा फार्मेसी डिपार्मेंट के प्रमुख दुष्यंत सर निशिकांत देवेश संजय गोयल एचआर हेड संजय सिंह मौजूद रहे.तिरंगा यात्रा संपन्न होने के बाद कॉलेज के अध्यक्ष गिरधर गोपाल गुलाटी ने सभी छात्र-छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस की बधाइयां दी।

'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में जनपद में मनाया जा रहा है 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम','तिरंगा महोत्सव' के अवसर पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण परिसर में लगाया गया तिरंगा मेला

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने निर्मित उत्पादों के लगाये स्टॉल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में 02 से 15 अगस्त 2025 तक आयोजित हो ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाएं। भाजपा जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर अभिषेक शर्मा ने अपने संबोधन में कार्यक्रम में संस्थानों पर तिरंगा फहराया जाएगा। उन्होंने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति इस कार्यक्रम के तहत अपने

रहे 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' के तहत आज ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में 'तिरंगा महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, उपस्थित सभी से आग्रह किया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत अपने-अपने घरों में तिरंगे का मान-सम्मान रखते हुए अवश्य तिरंगा फहराएं। उन्होंने विशेष रूप से सभी से अपील की कि इस अभियान में घर पर तिरंगा फहराते हुए सेल्फी लेकर www.harghartiranga.com पर अपलोड करें। कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज होशियापुर, प्राथमिक विद्यालय नगला बंजारा तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय

भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम बुद्धनगर अभिषेक शर्मा, जिलाधिकारी मेधा रूपम एवं अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण प्रेरणा सिंह तथा सुमित यादव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत रूप से किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा हमारी एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक यह ध्वज देश के हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति और त्याग की भावना का संचार करता आया है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' न केवल राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों में देश के प्रति गर्व और जिम्मेदारी की भावना जागृत करने का भी माध्यम है। हमारे देश की आने वाली युवा पीढ़ी का यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अहम भूमिका है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि 13 से 15 अगस्त के बीच अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों पर तिरंगा अवश्य फहराएं और इस बच्चों को भी शामिल करें और अपने-अपने बच्चों से तिरंगा लगवाएं, ताकि बचपन से ही उनमें देशभक्ति, सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार हो सके। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, संघर्ष और संकल्प को स्मरण करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत अपने-अपने घरों में तिरंगे का मान सम्मान रखते हुए तिरंगा अवश्य लगाये। उन्होंने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का तिरंगा महोत्सव कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग करने हेतु आभार प्रकट किया। उन्होंने यह भी बताया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत जिले के सभी कार्यालयों, विद्यालयों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों, औद्योगिक संस्थानों, व्यापारिक सेक्टर-12, नोएडा के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। महोत्सव के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों, स्थानीय उत्पादों एवं तिरंगा थीम पर आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री हेतु 'तिरंगा मेले' का आयोजन किया गया। मेले में स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों का माननीय जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी द्वारा गहनता से अवलोकन किया गया तथा उत्पादों की सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 शिवाकांत द्विवेदी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए समारोह के समापन की घोषणा की। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण, गणमान्य व्यक्ति, आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

एवियर कॉलेज में 'गट हेल्थ, प्रोबायोटिक्स और न्यूट्रिशन' पर सेमिनार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। एवियर एजुकेशनल हब कॉलेज के साइंस एंड फार्मा विभाग के आरोग्यम क्लब ने 'गट हेल्थ, प्रोबायोटिक्स और न्यूट्रिशन - द ट्रिपल कनेक्शन' विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया। यह सेमिनार विभाग के ऑडिटोरियम में हुआ, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. आकांक्षा शर्मा, डिप्टी मैनेजर, याकुल्ट, ने अपनी विशेषज्ञता की जानकारी छात्र छात्राओं के साथ साझा की। डॉ. शर्मा, जिन्होंने टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस, जापान से

पीएचडी की है, ने गट हेल्थ और समग्र स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध, स्वस्थ आंत बनाए रखने में प्रोबायोटिक्स की भूमिका, पाचन तंत्र और प्रतिरक्षा पर पोषण के प्रभाव, तथा गट माइक्रोबायोटा को सहारा देने वाले पोषण प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने नवीनतम शोध और उसके वास्तविक जीवन में प्रयोग पर भी चर्चा की।कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और व्यवहारिक सुझाव प्राप्त किए। प्रतिभागियों ने इस विषय पर गहन जानकारी प्राप्त की। विभाग ने डॉ. आकांक्षा शर्मा के प्रभावी व्याख्यान और सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।

पाकेट 7 में कैम्प लगाकर कर आयुष्मान कार्ड बनाए गये

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 जनता फ्लैट में विधायक पंकज सिंह के सौजन्य से जरुरतमंद लोगो के लिए पॉकेट 7 जनता फ्लैट के मेन गेट के पास हट पर कैंप लगाया गया ।जिसमे संबंधित विभाग के अधिकारी और मंडल के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहें। इस कैम्प में निम्न प्रकार के कार्ड बनाये गये । आयुष्मान कार्ड, विधवा पेंशन कार्ड, विकलांग पेंशन कार्ड , रासन कार्ड, वृद्धा पेंशन कार्ड बनाए गये। यह कैम्प भाजपा शहीद भगत सिंह मंडल एवं आर डब्ल्यू ए के द्वारा आयोजित किया गया था। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष गौतम शर्मा, विनय त्रिवेदी, गोरे लाल, सुशील कुमार पाल, रवि राघव, सेंसर पाल, शुभाष शर्मा, दीपक तिवारी, विकास कुमार आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

तालडा गांव में चला बाबा का बुलडोजर, 50 हज़ार वर्ग मीटर जगह से हटाया अवैध कब्जा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भूमाफ़िया के खिलाफ जारी

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अभियान के तहत मंगलवार को बाबा का बुलडोजर द्वारा दनकौर क्षेत्र के तालड़ा गांव में करोड़ों रुपए की जमीन पर भू माफियाओं द्वारा अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटा दिया गया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार ग्रेटर नोएडा के वर्क सर्कल-8 के अंतर्गत गांव तालड़ा में प्राधिकरण ने कार्यवाही करते हुए करीब 50000 वर्ग मीटर अधिसूचित एरिया को खाली कराया इस दौरान ग्रेटर नोएडा के ओ ए डी राम नारायण सिंह, जीएम. एके सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह, नरोत्तम सिंह, रतिक, प्रभात शंकर, प्रबंधक राकेश बाबू, स्वतंत्र वर्मा, मिथिलेश कुमार, बृजेंद्र कुशवाहा, सहायक डीपी श्रीवास्तव, रामकृष्ण तथा समस्त वर्क सर्कल के तकनीक व फील्ड सुपरवाइजर के साथ स्थानीय पुलिस के सहयोग से योजनाबद्द तरीके से अभियान चलाकर अवैध कब्जा हटाया गया। अपनी कार्रवाई के दौरान यहां बने अवैध निर्माण को बुलडोजर से उखाड़ दिया गया अधिकारियों ने बताया गया कि भू माफियाओं ने बाकायदा रोड बनाकर सिविल लाइन डाली हुई थी

02 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण एवं इकाई कार्यक्रम का समापन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र रायबरेली प्रभारी रविवंश सुनील कुमार मौर्य ने लाभार्थियों को खाद्य प्रसंस्करण योजना से सम्बन्धित कुटीर उद्योग जैसे अचार, पापड़, बरी, मसाले,

नारायण द्वारा संचालित ग्राम ओथी, न्याय पंचायत कैर, विकास खण्ड महराजगंज, रायबरेली मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार 02 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण एवं इकाई कार्यक्रम का शुभारम्भ 11 अगस्त को उद्घाटन सुनील कुमार मौर्य ग्राम प्रधान द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुरेन्द्र कुमार गौतम स0 प्रभारी सेवानिवृत्त ने उद्योग नीति 2023 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्याम लाल सहायक अधिकारी सेवानिवृत्त ग्रामोउद्योग से सम्बन्धित उपस्थित लाभार्थियों को अपने विभागीय योजना की विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। कैलाश चन्द्र वर्मा सेवानिवृत्त ने विभागीय जानकारी दी। अनीता मिश्रा ने खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित जैम, अचार, मुरब्बा के बारे में बताया। ग्राम प्रधान नमकीन बेकरी आदि उद्योग लगाने के लिये प्रेरित किया। केन्द्र प्रभारी ने मुख्यमंत्री जी की खाद्य प्रसंस्करण की योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया खाद्य प्रसंस्करण इकाई घरेलू स्तर से लगाकर अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकते है सरकारी की योजना में लागत का 50 प्रतिशत मशीन व अन्य मद में सहयोग प्रदान किया जाता है समापन के अवसर पर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान द्वारा वितरित किया और उज्जवल भविष्य की कामना की और आयोजन का आभार व्यक्त किया और ग्रामीण प्रशिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया और कहा इस तरह का कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित किया जाय केन्द्र कर्मचारी विजय कुमार मौर्या व अरूण कुमार अवस्थी ने कार्यक्रम में सहयोग दिया।

प्रेस को जारी एक बयान से जिलाधिकारी सोनभद्र व पुलिस प्रसासन पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कांग्रेस नेता और अधिवक्ता धीरज पांडेय ने प्रेस को जारी एक बयान से जिलाधिकारी सोनभद्र व पुलिस प्रसासन पर साधा निशाना जैसा कि पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत आज जिलाधिकारी सोनभद्र ने हरी झंडी दिखाकर तिरंगा बाइक रैली का किया शुभारम्भ किया जो कि स्वागत योग्य है परंतु बाइक रैली में पुलिस प्रसासन के लोग बाइक पर तिरंगा लेकर निकले लेकिन पुलिस वालों के सर से हेलमेट गायब है जो खुला यातायात नियमो का उलंघन एव अपराध है और यह सब जिलाधिकारी महोदय के सामने ऐसा हो रहा जो कि घोर निंदनीय। धीरज पांडेय ने कहा कि देश का कानून सबके लिए लिए बराबर होता है चाहे वो आम जनता हो या प्रशानिक अधिकारी या पुलिस वाले लेकिन जब कानून के रखवाले ही जब कानून तोड़ते नज़र आये तो आम जनता पर उसका क्या असर पड़ेगा जहा एक तरफ पब्लिक बगल में बाल कटवाने भी जाये तो उसका ऑनलाइन चालान हज़ार रुपये का काट दिया जाता लेकिन खुद जिलाधिकारी जिस तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखा रहे उसमे स्वम पुलिस वालों द्वारा कानून का पालन न करना हेलमेट न लगाना यातायात नियमो के तहत अपराध है जिसपे पुलिस वालों एव प्रशानिक अधिकारियों का भी चलान काटा जाना चाहिए कि जिससे जनता में संदेश जाए कि कानून के नज़र में सब बराबर हैं गलत करने पर कार्यवाई किसी पर भी कानूनन हो सकती है।

तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीएम बी0एन0सिंह....

रेणुकूट के रवि सिंह ने थाईलैंड में रचा इतिहास, इंटरनेशनल ताईक्वानडो टूर्नामेंट में भारत के लिए जीता ब्रॉन्ज़ मेडल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/रेणुकूट। उत्तर प्रदेश के जिला सोनभद्र के रेणुकूट निवासी रवि सिंह, पुत्र महामाया प्रसाद सिंह, रवि सिंह जो हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट के विभाग ब्वायलर को-जेनरेशन में कार्यरत हैं, ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। रवि सिंह ने पुरुष वर्ग के अंडर 58 किलो भार में थाईलैंड के पटाया शहर में आयोजित 8वीं हीरोज़ ताईक्वानडो इंटरनेशनल चैम्पियनशिप 2025 (9 और 10 अगस्त 2025) में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज़ मेडल जीतकर भारत, उत्तर प्रदेश, सोनभद्र और रेणुकूट का मान बढ़ाया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दुनियाभर के 32 देशों के खिलाड़ी शामिल हुए थे रवि सिंह ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने टीम कोच हरप्रीत सिंह और राकेश कुमार एवं गुरु, माता-पिता और कंपनी हिण्डालको एवं टीम निशा बबलू सिंह रेणुकूट और विजय प्रताप सिंह को देते हुए कहा आपके सहयोग, मार्गदर्शन और विश्वास की वजह से मैं थाईलैंड में इंटरनेशनल प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज़ मेडल जीत सका। यह उपलब्धि केवल मेरी नहीं, बल्कि हम सभी की है। भारत का नाम रोशन करने का यह सपना आप सबके समर्थन से पूरा हुआ। –'देश के लिए खेलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा गर्व है। इस जीत के पीछे मेरे परिवार, गुरुजनों और हिण्डालको परिवार का सहयोग और आशीर्वाद है। रवि की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से उनके परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और रेणुकूट हिण्डालको इंडस्ट्रीज के पूरे स्टाफ में खुशी की लहर दौड़ गई। जिले के अनेक लोगों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सोनभद्र में कैमूर आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग किया,आदिवासी बाहुल्य जनपद में कैमूर आदिवासी विश्वविद्यालय की हो स्थापना;भाकपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को पूर्व निर्धारित राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर अपनी मांगों के समर्थन में धरना देकर जिला प्रशासन को राज्यपाल के नामित ज्ञापन सौपा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्यव्यापी आवाहन पर जिला कमेटी सोनभद्र ने पेयरिंग/ मर्जर किए गए प्राथमिक विद्यालयों को फिर से खोले जाने, नयी शिक्षा नीति 2020 को वापस लेने, कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक के बच्चो को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा एक्ट 2009 से छेड़छाड़ न करने, प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने, सोनभद्र जिले में कैमूर विश्वविद्यालय की स्थापना करने, बंगला और उर्दू भाषा बोलने वालों को तमाम सबूतों और संविधान की अनुसूची 8 में दिये गये संवैधानिक अधिकारों के बावजूद सरकार द्वारा प्रताड़ित करने, अल्पसंख्यकों के मदर्सो और इबादत गाहों पर हमला करने, कोल, धरकार, मुसहर (बनवासी) जाति के लोगों को संविधान की अनुसूची 5 में शामिल करने, धारा 132 की जमीनों पर सैकड़ों वर्षों से बसे लोगों को न उजाड़ने आदि 13 मागों को लेकर जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा व वरिष्ठ कामरेड बसावन गुप्ता के नेतृत्व में भाकपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में दोपहर 12:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक धरना दिया।जहां वक्ताओं द्वारा धरना को संबोधित करते हुए निम्न मांगों को रखा गया मासूम बच्चों के बचपन और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक विद्यालयों के पेयरिंग / मर्जर के आदेश को तत्काल वापस लेने के साथ ही अबतक बन्द किये गए 26000 प्राथमिक विद्यालयों और मर्जर किये गए 5012 विद्यालयों को फिर से खोला जाये। नई शिक्षा नीति 2020 को वापस लिया जाये। बच्चों के संवैधानिक अधिकार निशुल्क और आवश्यक शिक्षा एक्ट -- 2009 से छेड़छाड़ न किया जाये। प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क एवं आवश्यक शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाये। शिक्षा के निजीकरण और बाजारीकरण पर अविलम्ब रोक लगाया जाये। विंध्य - कैमूर पर्वत मालाओं के मध्य स्थित आदिवासी बाहुल्य जनपद सोनभद्र में आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों के तरक्की और विकास को ध्यान में रखते हुए सोनभद्र जिले में तत्काल एक अदद 'कैमूर आदिवासी विश्वविद्यालय' की स्थापना किया जाये। अल्पसंख्यकों के शिक्षण संस्थानों को जबरन बन्द कराने और उनके धार्मिक स्थलों पर बुलडोजर चलाने की प्रक्रिया पर अविलम्ब रोक लगाया जाये। धारा 132 की जमीनों पर सैकड़ों वर्षों से बसे हुए लोगों को बेदखल करने और उनके बसे -- बसाये घरों पर बुलडोजर चलाने की प्रक्रिया पर अविलम्ब रोक लगाने के साथ ही उजाड़े गये लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित किया जाये। संविधान की अनुसूची में शामिल (बंगला व उर्दू भाषा) संवैधानिक अधिकारों के विपरीत जाकर सरकार प्रदेश के क ई जिलों में बंगला और उर्दू भाषियों को तमाम सबूतों के बावजूद बंगलादेशी और पाकिस्तानी बताकर प्रताड़ित कर रही है, इसपर अतिशीघ्र रोक लगाई जाये। दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं पर की जा रही अत्याचार की घटनाओं पर अविलम्ब रोक लगाई जाये। अन्तर्जातीय और अन्तर्धार्मिक विवाहों को मान्यता प्रदान की जाये और उनको प्रोत्साहन राशि भी दी जाए। सदियों से जंगलों में निवास करने वाले कोल, धरकार, मुसहर (बनवासी) आदि जातियों को संविधान की अनुसूची में शामिल किया जाये। सदियों से जंगलों में निवास करने वाली जनजातियों को वन विभाग द्वारा प्रताड़ित करने, उनको अपने मूल निवास से बेदखल करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने के साथ ही जिस जमीन पर बसे हैं और खेती किसानी करते हैं, उनको उन जमीनों का मालिकाना हक दिया जाये। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए खाद बीज की कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए , सहकारी समितियों पर हो रहे लूट खसोट और भ्रष्टाचार पर रोक लगा कर किसानों को समुचित दाम पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी, यूरिया, खाद- बीज और बिजली उपलब्ध कराया जाए । आदिवासी बाहुल्य जनपद सोनभद्र के कल कारखानों में स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाए।कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रेम चंद्र गुप्ता, अमर नाथ सूर्य, अमरनाथ बिंद, नागेन्द्र कुमार, हृदय नारायण गुप्ता, विरेन्द्र सिंह गोंड, धन्नू राम गोंड, बुद्धि राम खरवार, कतवारू कोल, मोहम्मद मुस्तफा, राम जनम कुशवाहा, नंदू यादव, हिरालाल यादव, राम राज अगरिया, महेंद्र अगरिया, मुन्ना धांगर, सूरज वंशल, कमलेश भारती, महेंद्र अगरिया, नौरंग अगरिया आदि दर्जनों की संख्या में भाकपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा व वरिष्ठ कामरेड बसावन गुप्ता जी ने किया और संचालन कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा ने किया।

दिल्ली लाल किले पर आयोजित परेड समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल सोनभद्र की श्रीमती निर्मला देवी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर दिल्ली लाल किले पर आयोजित परेड समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए जनपद सोनभद्र की समूह सदस्य/उद्यमी श्रीमती निर्मला देवी का चयन राज्य स्तर से किया गया है। पूरे प्रदेश से मात्र 12 महिलाओं का चयन किया गया है जिसमें से जनपद सोनभद्र से निर्मला देवी भी एक सदस्य हैं। श्रपरेड में शामिल होने के लिए श्रीमती निर्मला देवी को ससम्मान ट्रेन से रवाना किया गया। जनपद सोनभद्र के समूह की महिलाओं के लिए यह अत्यंत ही गर्व की बात है कि समूह की महिलाएं अपने बेहतर कार्य की बदौलत आज दिल्ली पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय समारोह में शामिल हो रही हैं इससे न केवल अन्य महिलाओं को सीख मिलेगी बल्कि उनका मनोबल भी बढ़ा है, इससे अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा मिलेगी और हम समूह की सभी महिलाओं से यह उम्मीद करते हैं कि आगामी वर्षों में एक के बजाय कम से कम एक दर्जन जनपद सोनभद्र से समूह की महिलाएं 26 जनवरी और 15 अगस्त जैसे कार्यक्रमों में दिल्ली में शामिल हो। मुख्य विकास अधिकारी महोदय ने निर्मला देवी को बधाई दी एवं शुभकामनाएं भी दिया, महोदय ने कहा कि यदि महिला चाहे ले तो कुछ भी संभव नहीं है इसका सबसे बड़ा उदाहरण निर्मला देवी है जिन्होंने आज अपने काम के दम पर अपनी एक अलग पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की है समूह की अन्य महिलाएं भी इनसे प्रेरणा लेकर के अपनी पहचान बनाएं और अपने साथ-साथ जिले के नाम को भी रोशन करें। उपायुक्त स्वत रोजगार महोदय ने बताया कि विगत वर्ष भी तीन महिलाएं 26 जनवरी के परेड में शामिल हुई थी यह अत्यंत ही गर्व का विषय है कि प्रत्येक वर्ष किसी न किसी महिला का चयन दिल्ली जैसे कार्यक्रमों के लिए हो रहा है यह जनपद सोनभद्र जैसे अति पिछड़े जिलों के लिए एक प्रेरणा का मध्य भी बन रहा है।

'अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस' पर एचआईवी/एड्स के प्रति किया जागरूकता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत सरकार एवं उ0प्र0 राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी लखनऊ के निर्देशानुसार 12 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवम जो कि पुरे देश में एक साथ मनाया जाता है जिसके अंतर्गत एचआईवी/एड्स मे बचने के लिए मन से जागरूकता अभियान यह चलेगा जिसमे ग्राम पंचायत डोर टू डोर कैंपेन निजी विद्यालयों में रैली नशा मुक्ति केन्द्रों में कारागार, डिग्री कॉलेज आदि में जागरूकता कार्यक्रम किया जायेगा जिसके अंतर्गत मंगलवार को कीर्ति पानी पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट मोनभद्र में मुख्य अतिथि जिला छय रोग अधिकारी डा0 अशोक कुमार प्रभारी मपूर्ण सुरक्षा केंद्र, डा0 अमित कुमार चौहान सीपीएम दिशा क्लस्टर मिर्जापुर द्वारा उद्घाटन कर कार्यक्रम कि सुरुआत की गयी तथा एचआईवी/एड्स से होने वाली गंभीर बीमारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी मुख्यतः एचआईवी किन किन कारणों से से फैलता है और इससे कैसे बचा जा सकता है। सुनील श्रीवास्तव एसएसके परामर्शदाता द्वारा मुख्य 4 कारण और बचाव के बारे में बताया गया तथा इंडेक्स के साथ साथ विंडो पीरियड के बारे में और निशुल्क जाँच और इलाज के बारे में जानकारी दी गई। मयंक पाण्डेय प्रबंधक संपूर्ण सुरक्षा केंद्र पर दी जाने वाली सुविधाओ के बारे में तथा एचआईवी, सिफिलिम, से जुडी किसी भी प्रकार कि समस्या के समाधान के लिए संपूर्ण सुरक्षा केंद्र स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सोनभद्र पर आने कि सलाह दी गयी। जेया बनिता, प्रिंसिपन कीर्ति पाली पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट डॉ0ए0के0 सिंह, डायरेक्टर, डा0 आर0जी यादव डीटीओ, डा0 अमित कुमार चौहान (सीपीएम), एस0के0 श्रीवास्तव (परामर्शदाता), मयंक पाण्डेय, वाचस्पति मिश्रा, पुष्पेन्द्र शुक्ला, शिवशंकर सिंह, इंदु चौबे, मतीश मोनकर, अभिमन्यु दुबे, विमल सिंह, डा0 संजय कुमार सिंह, महित पैरामेडिकल के छात्रो ने अपनी महभागिता निभाई और उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।हर घर तिरंगा अभियान के तहत रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक परिसर से प्रमुख अजीत रावत के नेतृत्व में मंगलवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा को ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं भी यात्रा में शामिल हुए। यात्रा ब्लॉक से उरमौरा, कलेक्ट्रेट गेट होते हुए वापस लौटी। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने भारत माता की जय के नारे लगाए यात्रा में सभी प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ फ्लैग मार्च किया। इस यात्रा के माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि 15 अगस्त को हम 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम स्वतंत्रता दिवस को पर्व के रूप में मनाते हैं आम जनता में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करना और प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना है। इसी के तहत हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। बताया कि इसी अभियान के अंतर्गत यात्रा का आयोजन किया गया है। इस यात्रा में बीडीओ बालाजी शुक्ल, एडीओ पंचायत राधेश्याम यादव, एडीओ विनय मिश्रा, लेखाकार ओमप्रकाश, एडीओ एल अखिलेश कुमार, देवानंद पाठक, रईस अहमद, कमलेश कुमार, सत्यवती, मनोज पांडेय समेत ब्लॉक के कर्मी, सफाई कर्मी आदि हजारों लोग शामिल रहे।

काशी की गंगा आरती टीम द्वारा बागेश्वर धाम मे किया गया बाला जी की आरती

सोनभद्र। काशी के आचार्यों द्वारा मंगलवार के दिन बागेश्वर धाम सिद्ध पीठ आश्रम गढ़ा मे पूज्य श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी के उपस्थिति मे बागेश्वर धाम बाला जी सरकार की दिव्य व भव्य आरती की गईं। आपको बताते चले कि काशी के अस्सी घाट पर होने वाली गंगा आरती की प्रस्तुति बागेश्वर धाम के मंच पर पंडित शिवम शुक्ला, सौरभ त्रिपाठी,शुभम त्रिपाठी, रितिक मिश्रा, हर्ष मिश्रा के द्वारा बालाजी सरकार की आरती की गईं उक्त अवसर पर सोनभद्र से दीक्षा प्राप्त शिष्य मनोज कुमार दीक्षित, राजन पाण्डेय, अभिषेक पाठक, अवधेश मिश्रा, बुद्धिराम पटेल, रामसूरत बियार इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सड़क की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सड़क पक्की किए जाने की मांग को लेकर सदर विकास खंड के ग्राम पंचायत नई व भरहियां के ग्रामीणों ने अपना दल एस (विधि मंच) के जिलाध्यक्ष संतोष पटेल के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने अपनी समस्याओं को लेकर अवगत कराया है। जिलाध्यक्ष संतोष पटेल ने बताया कि जिला मुख्यालय से मात्र 5-6 किमी दूरी पर स्थित होने के बावजूद भी उनके गांव में आजादी के 78 वर्षों बाद भी पक्की सड़क नहीं है, जिससे उन्हें अनेक गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि बीमार व्यक्तियों को अस्पताल तक ले जाने में परेशानी होती है, जिससे कई बार जानलेवा घटनाएं भी हो जाती हैं। हाल ही में, एक बीमार वृद्ध की मौत हो गई क्योंकि एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाई थी। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में स्कूली बच्चे रावट्र्सगंज/जिला मुख्यालय स्थित तमाम निजी शिक्षण संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते हैं, जिससे उन्हें शिक्षा से वंचित होना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि नकदी फसलों की खेती करने वाले खेतिहर किसानों को बरसात के दिनों में हिंदुआरी या रावट्र्सगंज स्थित मंडियों में अपने खेतों की सब्जी तक ठीक ढंग से नहीं पहुंचा पाते हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक क्षति भी मजबूरन उठानी पड़ती है।ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों की कौन कहे, स्थानीय जनप्रतिनिधि तक ग्रामीणों के दुःख-दर्द की सुध लेने को तैयार नहीं हैं।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि वे जल्द से जल्द उनके गांव को पक्की सड़क से जोड़ने का श्रम प्रदान करें, जिससे उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि इससे उनके जीवन में सुधार होगा और वे अपने दैनिक कार्यों को आसानी से कर पाएंगे।प्रदर्शन करने वालों में सैयद अफरोज अहमद, अनीश मौर्य, राजन, विशाल, विनोद, संदीप मौर्य, जितेंद्र कुमार, सुशील कुमार, मनोज कुमार, रमाशंकर मौर्य, राजेंद्र कुमार समेत सैकड़ो ग्रामीण शामिल थे।

बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र देने में हीलाहवाली न करें: रूबी प्रसाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग की प्रक्रिया में तेजी लाएं और इसमें पारदर्शिता और ईमानदारी का पालन करें। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। वही नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि वहीं नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र देने में किसी भी प्रकार की हीलाहवाली न की जाए। यह मामला बच्चों के भविष्य का सवाल है, इसलिए इसमें तेजी और पारदर्शिता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जो बच्चों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठाने में मदद करता है। इसीलिए, उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे जन्म प्रमाण पत्र देने दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2. नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2. नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबरा में 5, नगर पंचायत रेनुकूट में 4, नगर पंचायत पिपरी में 3. नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा मे 4, समस्त निकायों में कुल 28 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

कोहली टी-20 में टॉप-5 बैटर की लिस्ट से बाहरःवॉर्नर आगे निकले, टॉप-10 में 2 ही भारतीय; क्रिस गेल अब भी नंबर-1 बल्लेबाज

नयी दिल्ली। भारत के विराट कोहली को पीछे कर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में नंबर-5 पर पहुंच गए। उन्होंने मंगलवार को इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में फिफ्टी लगाई और कोहली को पीछे किया। वॉर्नर के नंबर-5 पर पहुंचने के साथ टॉप-5 रन स्कोरर में अब कोई भी भारतीय बाकी नहीं रहा। विराट के अलावा केवल रोहित शर्मा ही टॉप-10 रन स्कोरर में शामिल भारतीय बैटर हैं। दोनों ही प्लेयर्स ने टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है, ऐसे में सिर्फ आईपीएल खेलकर दोनों का इस रिकॉर्ड लिस्ट में आगे निकलना बहुत मुश्किल लग रहा है।वेस्टइंडीज के विस्फोटक क्रिस गेल के नाम अब भी टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। इनमें इंटरनेशनल, आईपीएल और दुनियाभर की ए-ग्रेड लीग के रन शामिल हैं। गेल टी-20 में 22 शतक लगाने वाले भी दुनिया के इकलौते बैटर हैं। उन्होंने अब टॉप लेवल टी-20 क्रिकेट खेलना बंद कर दिया है। इसलिए उनके 14,562 रन के आंकड़े को कोई नया बैटर तोड़ सकता है। हालांकि, उनके 22 सेंचुरी के आंकड़े को तोड़ना बहुत मुश्किल है।वेस्टइंडीज के ही विस्फोटक फिनिशर कायरन पोलार्ड टॉप रन स्कोरर में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंटरनेशनल और आईपीएल से तो संन्यास ले लिया है, लेकिन वे अब भी अमेरिका और साउथ अफ्रीका की लीग खेल रहे हैं। इसलिए वे भी गेल के रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। फिनिशर की पोजिशन निभाने के कारण पोलार्ड के नाम शतक तो 1 ही है, लेकिन फिफ्टी 63 हैं। इतना

ही नहीं, टॉप-5 रन स्कोरर में उनका स्ट्राइक रेट भी बेस्ट है।इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन लीग क्रिकेट खेल रहे हैं। वे 13,814 रन बना चुके हैं और जल्द ही 15 हजार रन का आंकड़ा भी पार कर सकते हैं। वे फिलहाल इंग्लैंड के ही फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट द हंड्रेड का हिस्सा हैं। उनके नाम 7 सेंचुरी और 87 फिफ्टी हैं।टॉप-10 रन स्कोरर में शामिल पाकिस्तान के इकलौते खिलाड़ी शोएब मलिक के नाम टी-20 में बगैर सेंचुरी लगाए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। वे भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग का हिस्सा अब भी हैं। वह पिछले सीजन भी क्वेटा ग्लैडिएटर्स से खेले थे। हालांकि, उनका अगला सीजन खेलना मुश्किल लग रहा है। ऐसे में वे भी जल्द ही टॉप-5 से बाहर हो सकते हैं। टॉप-5 रन स्कोरर में मलिक का स्ट्राइक रेट भी सबसे कम है।ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ने मंगलवार को ही टॉप-5 रन स्कोरर में एंट्री की। उन्होंने द हंड्रेड लीग में फिफ्टी लगाई और विराट कोहली को पीछे छोड़ा। अब वॉर्नर के विराट से 2 रन ज्यादा हो गए। उनके नाम इस फॉर्मेट में 8 सेंचुरी के साथ 113 फिफ्टी भी हैं। आईपीएल में तो वॉर्नर अब नहीं खेलते, लेकिन दुनिया की बाकी लीग का हिस्सा जरूर बनते हैं। ऐसे में उनके पास भी गेल से आगे निकलने का मौका है।टी-20 में भारत के टॉप रन स्कोरर विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में इस फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वे अब सिर्फ आईपीएल खेलते हैं, जो साल में एक बार ही होता है। कोहली के नाम फिलहाल 13543 रन हैं, वे अगले आईपीएल सीजन में 14 हजार टी-20 रन के आंकड़े को पूरा कर सकते हैं। हालांकि, उनका नंबर-1 पर पहुंचना बहुत मुश्किल है। कोहली गेल को तो पीछे छोड़ सकते हैं, लेकिन बाकी खिलाड़ियों के मैचों की संख्या को देखते हुए कोहली का नंबर-1 पर पहुंचना मुश्किल है। विराट ने अब तक 3 टीमों से ही टी-20 क्रिकेट खेला है, भारत, दिल्ली और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु। 2 टीमों से तो वे अब टी-20 नहीं खेलते, आरसीबी को भी वे पिछले सीजन चैंपियन बना ही चुके हैं। ऐसे में संभव है कि वे जल्द ही इस फॉर्मेट को पूरी तरह अलविदा कह दें।टॉप-10 रन स्कोरर में बाकी 4 प्लेयर्स इंग्लैंड के जोस बटलर, जेम्स विंस, भारत के रोहित शर्मा और साउथ अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस हैं। बटलर को छोड़कर बाकी तीनों प्लेयर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और गिनती की लीग में ही हिस्सा लेते हैं। बटलर अभी 34 साल के ही हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ दुनियाभर की लीग भी खेलते हैं। वे फिलहाल 13,123 रन बनाकर 7वें नंबर पर हैं, लेकिन जल्द ही टॉप-5 में एंट्री कर सकते हैं। इतना ही नहीं, अगर वे 2-3 साल इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते रहे तो नंबर-1 पर भी पहुंच सकते हैं।

वेस्टइंडीज ने 34 साल बाद पाकिस्तान से वनडे सीरीज जीतीःतीसरे मैच में 202 रन से हराया; शाई होप ने नाबाद 120 रन बनाए

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को तीसरे और आखिरी

वनडे मुकाबले में 202 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ 34 साल बाद वनडे सीरीज जीती है। इससे पहले 1991 में जीत मिली थी। सीरीज का पहला मैच पाकिस्तान ने जीता था, उसके बाद वेस्टइंडीज ने दूसरे मैच को जीतकर सीरीज बराबर की थी। विंडीज के लिए शाई होप ने नाबाद 120 रन बनाए।मंगलवार को त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में तीसरे वनडे में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 294 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 92 रनों पर ऑलआउट हो गई। वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान शाई होप ने 94 बॉल पर नाबाद 120 रन बनाए। इसमें 5 छक्के और 10 चौकें शामिल रहें। उनके अलावा जस्टिन ग्रीव्स ने 43ङ, इविन लुईस ने 37 और रोस्टन चेज ने 36 रन की पारी खेली। शाई होप को तीसरे वनडे में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। वहीं, जायडेन सील्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया, उन्होंने दूसरे वनडे में 3 और पहले वनडे में 1 विकेट लिया था। इस सीरीज में उन्होंने कुल 10 विकेट लिए। 295 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम 92 रन पर ही सिमट गई। टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान समेत 5 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। बाबर आजम (9) एक बार फिर फ्लॉप हुए। पाक के लिए सलमान आगा ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। मोहम्मद नवाज ने नाबाद 23 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जायडेन सील्स ने 6 विकेट लिए।

ब्रेविस की 41 बॉल पर सेंचुरी से जीता साउथ अफ्रीकाःऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे तेज शतक, लगातार 9 टी-20 जीतने के बाद हारा ऑस्ट्रेलिया

नयी दिल्ली। 22 साल के डेवाल्ड ब्रेविस के पहले टी-20

शतक की मदद से साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे मैच में 53 रन से हरा दिया। यह ऑस्ट्रेलिया की 11 महीनों में पहली हार है। टीम ने इस दौरान लगातार 9 मैच जीते थे।ब्रेविस ने 41 गेंद पर शतक लगाया, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे कम गेंदों पर टी-20 शतक रहा। यह साउथ अफ्रीका के लिए भी दूसरा सबसे तेज शतक रहा। डेविड मिलर 35 गेंद पर सेंचुरी लगा चुके हैं।मंगलवार को मिली इस जीत के साथ अफ्रीकी टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। पहला मैच ऑस्ट्रेलिया ने 17 रन से जीता था। तीसरा मुकाबला 16 अगस्त को खेला जाएगा।डार्विन ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 218 रन बना दिए। ब्रेविस ने 56 बॉल पर 125 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने 12 चौके और 8 छक्के लगाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया टीम 17.4 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई। टिम डेविड ने 50 रन बनाए। प्रोटियाज से क्वेना मफाका और कार्बिन बॉश ने 3-3 विकेट झटके।ब्रेविस साउथ अफ्रीका के लिए T20I में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने 22 साल 105 दिन के उम्र में शतक लगाया। ब्रेविस का शतक साउथ अफ्रीका के लिए दूसरा सबसे तेज है। डेविड मिलर बांग्लादेश के खिलाफ 35 गेंद पर शतक बना चुके हैं।ब्रेविस ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे तेज ऊ20छ शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए ऊ20छ में सबसे तेज शतक लगाया।ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), टिम डेविड, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवन, बेन ड्वार्शिस, सीन एबॉट, एडम जम्पा और जोश हेजलवुड।साउथ अफ्रीकाः ऐडन मार्करम (कप्तान), रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), रासी वान डर डुसन, डेवाल्ड ब्रेविस, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, ट्रिस्टन स्टब्स, नकाबायोमजी पीटर, कॉर्बिन बॉश, कगिसो रबाडा, क्वेना मफाका और लुंगी एनगिडी।

गुड हैबिट्स- भोजन में ढेर सारी सब्जियां खाने की आदतःसब्जी खाने से दिमाग होता तेज, बढ़ती उम्र, कब्ज, अपच, बीमारियां दूर रहती हैं

नयी दिल्ली। दुनिया में 5 ब्लू जोन हैं। यहां के लोगों की औसत उम्र 100 साल से ज्यादा है। ये लोग लंबे जीवन के लिए 9 नियम

अपनाते हैं। उनमें सबसे खास है कि प्लांट बेस्ड खाना ही खाएंगे। ऐसी सभी चीजें खाएंगे, जो पेड़-पौधों के रूप में प्रकृति ने हमें दी हैं। ये खाने में ज्यादा-से-ज्यादा सब्जियां शामिल करते हैं। इसमें कोशिश ये होती है कि जितने ज्यादा रंगों की सब्जियां खाने में शामिल कर सकें। सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होती हैं। इनसे मिले न्यूट्रिएंट्स से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और टाइप-2 डायबिटीज जैसी क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। खास बात ये है कि इनमें कैलोरी और फाइबर कम होता है। आज 'गुड हैबिट्स' कॉलम में ज्यादा सब्जियां खाने की आदत के बारे में जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- खाने में सब्जियां ज्यादा क्यों होनी चाहिए? ज्यादा सब्जियां खाने के क्या फायदे हैं? सब्जियां क्यों हैं इतनी खास? सब्जियां हमारे शरीर के लिए एक

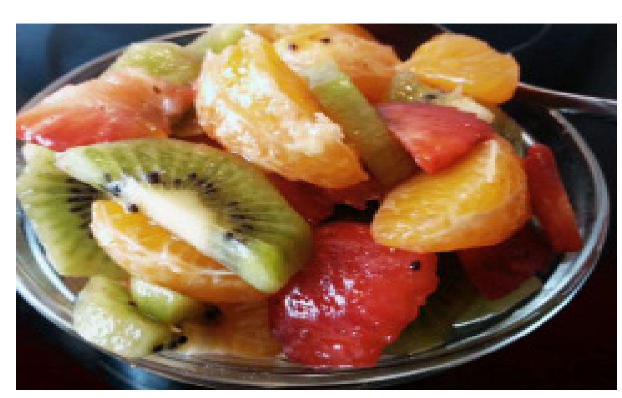

सुपरफूड की तरह हैं। इनमें विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो हमें अंदर से मजबूत बनाते हैं। लेकिन ऐसा क्या है जो इन्हें इतना जरूरी बनाता है? विटामिन और मिनरल्स का खजाना- फल और सब्जियां विटामिन ए,सी,ई और मिनरल्स जैसे मैग्नीशियम, जिंक, फॉस्फोरस

और फोलिक एसिड से भरपूर होती हैं। पोटेशियम के लिए एवोकाडो, शकरकंद, केला, आलूबुखारा और टोमैटो प्यूरी खाएं। स्वाद और टेक्सचर की ढेरों वैरायटी- हर फल और सब्जी का स्वाद और बनावट अलग होती है। आप चाहें तो तीखे स्वाद वाले प्याज, जैतून और मिर्च ट्राई करें या फिर हल्के स्वाद वाले मशरूम और कॉर्न। मीठा खाने का मन हो तो अंगूर, अनन्नास और आलूबुखारा खाएं और खट्टे स्वाद के लिए नींबू और चकोतरा बढ़िया हैं। फाइबर से भरपूर- अधिकतर फल और सब्जियां फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पेट भरने और पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। ज्यादा फाइबर वाली सब्जियां हैं- मटर, ब्रोकली और फूलगोभी। फाइबर वाले फल हैं- रसभरी, नाशपाती और सेब। कम कैलोरी, कम फैट- अमूमन फल और सब्जियां कम कैलोरी और फैट वाली होती हैं, इसलिए इन्हें ज्यादा मात्रा में खा सकते हैं बिना वजन बढ़ने की चिंता के। उदाहरण के तौर पर, आधा कप अंगूर खाने से आप एक चौथाई कप के मुकाबले 200 से ज्यादा कैलोरी बचा सकते हैं। हां, एवोकाडो, जैतून और नारियल जैसे कुछ अपवाद भी हैं जिनमें थोड़ा ज्यादा फैट होता है। बीमारियों से बचाव- फल और सब्जियों में कुछ खास प्राकृतिक तत्व फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कई बीमारियों से बचाव करते हैं। इन्हें खाने से डायबिटीज टाइप 2, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और कैंसर का खतरा कम हो सकता है। खासकर ब्रोकली, पत्ता गोभी, सरसों और जलकुंभी जैसी क्रूसीफेरस सब्जियां कैंसर से बचाव में मददगार मानी जाती हैं। अच्छी सेहत में मददगार- इनमें सैचुरेटेड फैट, नमक और चीनी बहुत कम होती है, इसलिए ये बैलेंस्ड डाइट का हिस्सा बनती हैं। ये वजन कम करने या बढ़ने से बचाने में मदद करती हैं। साथ ही सूजन कम करने, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर घटाने में भी असरदार हैं। बहुत कम सोडियम और कोलेस्ट्रॉल- ताजे फल और सब्जियों में सोडियम बहुत कम होता है। जैसे बहुत लोग मानते हैं कि सेलरी में सोडियम ज्यादा होता है, लेकिन एक डंठल में सिर्फ 30 मिलीग्राम होता है, जो सिर्फ 1फीसदी डेली वैल्यू है। सब्जियां कैसे खाएं? अब सवाल यह है कि सब्जियों को अपनी रोज की डाइट में कैसे शामिल करें। बहुत से लोग सोचते हैं कि सब्जियां खाना बोरिंग है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। कुछ आसान तरीके हैं-सब्जियों को सलाद बनाएंः पालक, टमाटर, खीरा और गाजर को मिलाकर एक रंग-बिरंगा सलाद तैयार करें। थोड़ा नींबू और नमक डालें, मजा दोगुना हो जाएगा। सूप में डालकर खाएंः ठंड के दिनों में सब्जियों का सूप बनाएं। गाजर, मटर और ब्रोकली डालकर

इसे सेहतमंद और स्वादिष्ट बनाएं। भूनकर खाएंः आलू, शिमला मिर्च और बैंगन को हल्का तेल लगाकर भून लें। यह नाश्ते के लिए भी बढ़िया है। स्मूदी ट्राई करेंः पालक या चुकंदर को फलों के साथ ब्लेंड करें। यह पीने में आसान और पोषण से भरपूर होता है। दाल में मिलाकर खाएंः अपनी रोज की दाल में थोड़ी सी सब्जियां डालें, जैसे लौकी या पालक। स्वाद और सेहत दोनों बेहतर होते हैं। सब्जियां खाने के फायदे - सब्जियां खाने से हमारे

शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। इसके कुछ खास फायदे हो सकते हैं- पेट की सेहत बेहतर रहती है सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या नहीं होने देता। बीमारियों से बचाव होता है सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। वजन कंट्रोल में रहता है सब्जियां कैलोरी में कम और पोषण में ज्यादा होती हैं, जिससे वजन बढ़ने का खतरा नहीं रहता और शरीर फिट रहता है। दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ती है हरी सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स मस्तिष्क को सक्रिय रखते हैं और याददाश्त बेहतर बनाते हैं। त्वचा निखरती है- विटामिन ए और सी से भरपूर सब्जियां त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और जवां बनाए रखने में मदद करती हैं। हर दिन कम से कम 2-3 कटोरी सब्जियां खानी चाहिए। इससे न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आपका मूड भी अच्छा रहता है। सब्जियां न खाने का नुकसान- अगर सब्जियां नहीं खाते, तो शरीर को जरूरी तत्व नहीं मिलते। इम्यूनिटी कमजोर होती है, पेट खराब रहता है और वजन बढ़ने का खतरा रहता है। लंबे समय तक ऐसा चला तो डायबिटीज और हार्ट की बीमारियां भी हो सकती हैं। आपके शरीर को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है- पाचन की दिक्कतः फाइबर की कमी से पेट खराब रहता है। कमजोरीः विटामिन्स न मिलने से थकान जल्दी होती है। बीमारियों का खतराः दिल और डायबिटीज जैसी बीमारियां बढ़ सकती हैं। वजन बढ़ता हैः सब्जियों की जगह जंक फूड खाने से मोटापा हो सकता है। सब्जियों को खाने में कैसे शामिल करें? सब्जियां खाना कोई मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ा सा दिमाग लगाएं और ये आपकी जिंदगी का हिस्सा बन जाएंगी। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। पहले मुझे पालक और भिंडी बिल्कुल पसंद नहीं थे। कुछ आसान तरीके आजमाएं और अब मेरी थाली में हर दिन कोई न कोई सब्जी जरूर होती है। सब्जियां खाना सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं, पूरी जिंदगी के लिए फायदेमंद है। ये छोटी-सी आदत आपको लंबा और खुशहाल जीवन दे सकती है। आज से ही शुरू करें। अपनी थाली में रंग भरें और देखें कि आपका शरीर और मन दोनों कैसे खिल उठते हैं।

शुभमन गिल आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बनेःबेन स्टोक्स और वियान मुल्डर को पीछे छोड़ा; एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 4 शतक लगाए थे

नयी दिल्ली। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को आईसीसी ने जुलाई का प्लेयर ऑफ

द मंथ का अवॉर्ड दिया। उन्होंने इस रेस में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर को पीछे छोड़ा। शुभमन ने जून से अगस्त के बीच इंग्लैंड में खेली गई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 4 शतक लगाए थे। विमेंस क्रिकेट में इंग्लैंड की बैटर सोफिया डंकली को यह अवॉर्ड मिला। उन्होंने अपनी ही टीम की सोफी एकलस्टन और आयरलैंड की कप्तानी गैबी लुईस को पीछे छोड़ा। शुभमन ने जुलाई में 567 रन बनाए जुलाई में 25 साल के शुभमन ने 94.50 की औसत से 3 टेस्ट में 567 रन बनाए। इनमें एक डबल सेंचुरी और 2 सेंचुरी शामिल रहीं। सीरीज का एक शतक उन्होंने अगस्त में लगाया, इसलिए उसे जुलाई के स्कोर में शामिल नहीं किया। गिल को चौथी बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला।शुभमन बोले- अवॉर्ड की अहमियत बहुत ज्यादा शुभमन ने कहा, 'प्लेयर ऑफ द मंथ बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस बार इस अवॉर्ड की आईसीसी अवॉर्ड मिलने के बाद अहमियत बहुत ज्यादा है, क्योंकि यह टेस्ट कप्तानी में मेरी पहली सीरीज की परफॉर्मेंस से मिला। बर्मिंघम में डबल सेंचुरी लगाना मुझे हमेशा याद रहेगा। यह मेरे इंग्लैंड दौरे की बड़ी हाईलाइट रही। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज मेरे लिए कप्तान के रूप में सीखने का बड़ा मौका रहा। सीरीज में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया।' आईसीसी ने 2021 में प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड देने की शुरुआत की। तब से शुभमन गिल ने चौथी बार इस अवॉर्ड को अपने नाम किया। इसी के साथ वे सबसे ज्यादा बार इस अवॉर्ड को जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बने। गिल ने इसी साल फरवरी में भी अवॉर्ड जीता। वहीं 2023 में उन्हें 2 बार अवॉर्ड मिला था। विमेंस प्लेयर्स में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज भी 4-4 बार यह अवॉर्ड जीत चुकी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में शुभमन गिल लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में 16 और 6 रन ही बना सके थे। इसके बावजूद उन्होंने बाकी 2 टेस्ट की 4 पारियों में 3 शतक लगा दिए। गिल ने सीरीज के 5 टेस्ट में 754 बनाए, जो किसी भारतीय कप्तान से एक टेस्ट सीरीज में बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इंग्लैंड की सोफिया डंकली को विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला। उन्होंने जुलाई में भारत के खिलाफ 4 टी-20 और 3 वनडे खेले। टी-20 में उन्होंने 134.57 के स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए। इसी फॉर्म को उन्होंने वनडे में भी कायम रखा और 63 की औसत से 126 रन बना दिए।

कोडिंग' की दाल में 'केयरिंग' का तड़का नौकरी की सही रेसिपी है

वह पोस्ट ग्रेजुएट है। उसने कई इंटर्नशिप भी की। फिर एक राजनेता के ऑफिस में काम किया, जहां वो उनके मतदाताओं से मिलती। वो स्मार्ट है। संचार में और वहां आने वाले लोगों को संभालने में कुशल है। चूंकि वो आम महिला-पुरुषों को अधिकारीगण आदि से मिलाने में मदद करती थीं, जिनके निर्णयों से जनता को लाभ होता है। ऐसे में उसने किसी व्यक्ति की समस्या को समाधान प्रदाता से मिलाने की कुशलता विकसित कर ली। लेकिन उसकी एक ही समस्या थी। राजनेताओं के कामकाज का कोई समय नहीं होता। रोजाना लंबे समय तक काम करने से उसके बच्चे पर असर पड़ रहा था। इसीलिए उसने नौकरी बदलने का निर्णय किया। पिछली जनवरी में उसने एक बड़े अस्पताल में काम करने वाले मेरे एक परिचित से संपर्क किया, ताकि वह वहां नौकरी के लिए उनकी सिफारिश कर सके। और उसे नौकरी मिल गई।जाहिर तौर पर वह इसलिए चुनी गई, क्योंकि उसमें शिकायत करने वाले मरीजों को संभालने की क्षमता थी और जॉइन करने के पहले दिन से ही वह उन्हें शांत रखने लग गईं। 6 महीने का प्रोबेशन पूरे करने से पहले, महज एक महीने में ही उसने स्थायी नौकरी की मांग कर दी। और उसे वह भी मिल गई। उसका ख्याल मुझे तब आया जब मैं इस हफ्ते जारी पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के डेटा पढ़ रहा था।इसमें बताया गया कि 15 से 29 साल के शहरी युवाओं में बेरोजगारी दर एक महीने में एक प्रतिशत बढ़ गई है। जून में ये 18.8फीसदी हो गई। कहीं ना कहीं यह दो बातों की ओर संकेत करती है। 1. अकेली शिक्षा अब रोजगार-स्थायित्व की गारंटी नहीं। 2. नियोक्ता चाहते हैं कि आप जॉइन करने के पहले दिन से ही रिजल्ट देने लगें। मुंबई में कुशल व शिक्षित युवाओं की एक पीढ़ी अभी भी बेरोजगार है।जी हां, ये वही शहर है, जहां गर्व से कहते थे कि 'मुंबई में कोई भूखा नहीं सोता।' लेकिन आज यह बात सच नहीं है। मुम्बई ऐसा अकेला शहर नहीं है। अमेरिका से लेकर यूके तक दुनियाभर में कॉलेज ग्रेजुएट्स और पोस्ट ग्रेजुएट युवाओं के बीच बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।अमेरिका के भी ऐसे मासिक बेरोजगारी डेटा की पड़ताल करें तो पता चलता है कि अमेरिकी पुरुषों में भी बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। यह पांच प्रतिशत से कम थी, जो अब 7फीसदी से अधिक हो गई है। जबकि महिलाओं में बेरोजगारी घटी है। इस दावे का समर्थन करने वाले एक डेटा से पता चलता है कि पिछले एक वर्ष में युवा महिला ग्रेजुएट्स द्वारा भरी गई 1.35 लाख नौकरियों में से 50 हजार नौकरियां अमेरिका के हेल्थ केयर सेक्टर में थीं।स्पष्ट रूप से इसका कारण उम्रदराज आबादी की बढ़ती मांग के साथ ऑटोमेशन, घरों में एआई संचालित उपकरणों का प्रवेश और रोजमर्रा की चिकित्सा जरूरतें हैं। ये सब बताता है कि एआई मौजूदा व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कारक है।इसका जवाब सही भी है और गलत भी। सही इसलिए, क्योंकि यह उतनी नौकरियां पैदा नहीं कर रहा, जितनी पुरानी नौकरियां खत्म कर रहा है। गलत इसलिए, क्योंकि एंट्री लेवल सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के पदों पर भर्तियों में फिर उछाल देखा जा रहा है। इसलिए तकरीबन 30 वर्ष की उम्र के लोग, जो कम से कम 60 हजार रु. प्रतिमाह वाली नौकरी खोज रहे हैं, उन्हें उस स्थान की जनसांख्यिकी भी पढ़नी चाहिए, जहां नौकरी ढूंढ रहे हैं। और उन्हें कोडिंग से 'केयरिंग' की ओर रुख करना चाहिए। मुंबईकरों में नया नारा है, 'कोडिंग सीखने के साथ-साथ केयरिंग भी सीखो।'ऐसा इसलिए क्योंकि एक शहर के तौर पर मुंबई भी बूढ़ा हो रहा है। और उस आबादी को देखभाल चाहिए। यही कारण है कि शुरुआत में जिस लड़की का जिक्र मैंने किया, उसे हेल्थ सेक्टर में जल्दी नौकरी मिल गई। और वह पहले दिन से ही अपने नियोक्ता के लिए समस्याओं का समाधान करने वाली बन गई।फंडा यह है कि जैसे पैसा कंपनी के प्रदर्शन के पीछे भागता है, मेरा मतलब निवेशक निवेश से पहले कंपनी की परफॉर्मेंस देखते हैं, वैसे ही आपका प्रदर्शन करियर को आगे बढ़ाता है। हेल्थकेयर जैसा क्षेत्र चुनें, जो अभी फल-फूल रहा है। और यदि कोडिंग में 'केयरिंग' का तड़का लगा सकते हैं तो फिर देखिए कैसे आपकी 'रेसिपी' जायकेदार बन जाएगी। मेरा मतलब है आपकी सैलरी! (एन. रघुरामन)

दूध के पैकेट जैसी छोटी-सी चीज पर भी गौर करने का समय आ गया है

पिछले करीब एक माह से सुबह की कॉफी बनाना मेरी जिम्मेदारी थी, क्योंकि मोतियाबिंद

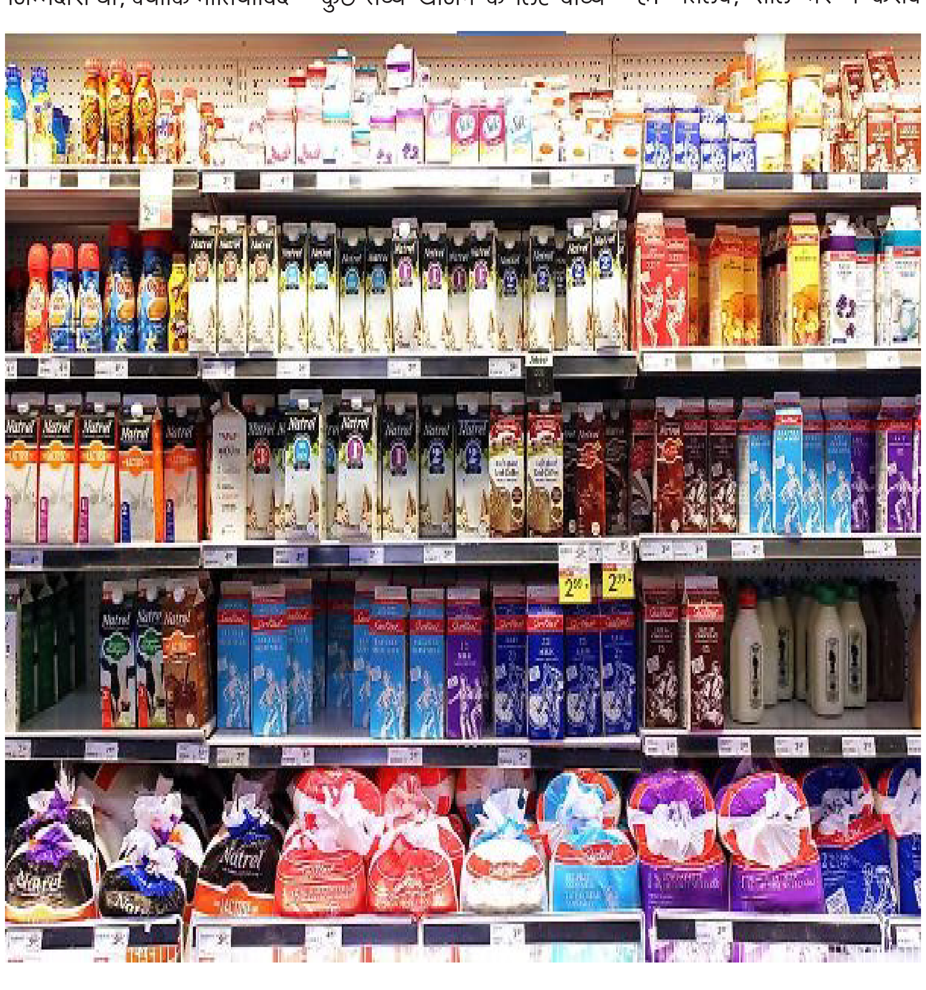

की सर्जरी के बाद पत्नी का किचन स्टोव के पास आना मना था। लेकिन बीते इस समय में वह कभी भी यह पूछना नहीं भूलीं कि 'क्या आपने दूध की थैलियों को उनकी तय जगह पर रख दिया है?' यह प्लास्टिक को इकट्ठा करने का अलग बैग है, जो एसी यूनिट के पीछे रखा रहता है।रिसाइकल कचरा इकट्ठा करने वाले को यह हम देते हैं, जो कि कॉलोनी में महीने में एक बार आता है। मैं 'हां' कहता हूं और उन्हें कॉफी का कप देता हूं। एक महीने में मैंने देखा कि धीरे-धीरे इस प्लास्टिक की थैली की ऊंचाई बढ़ने लगी और अंततः ये एसी यूनिट के पार निकल गई। और तब मुझे एहसास हुआ कि किसी एक घर से कितना अधिक प्लास्टिक निकल सकता है। इसमें सर्वाधिक दूध की थैलियां थीं। इसी ने मुझे दूध की थै?लियों को लेकर कुछ तथ्य खोजने के लिए बाध्य किया। दूध की जिन ?थैलियों को हम इस्तेमाल के बाद फेंक देते हैं, वे प्लास्टिक की होती हैं और मिट्टी में नष्ट होने में बहुत वक्त लेती हैं। ये समय 20 से 500 वर्षों तक हो सकता है। प्लास्टिक ऐसा पदार्थ है, जिसका प्राकृतिक तरीके से क्षरण नहीं होता। ना ही ये जैविक पदार्थों की भांति अपघटित होता है। बल्कि यह सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर माइक्रोप्लास्टिक में बंट जाता है। पर पूरी तरह गायब नहीं होता। अगर न्यूनतम आंकड़ों का अनुमान लगाएं, तो भी भारत में प्रति दिन ऐसी 20 करोड़ दूध के पैकेट की खपत होती है। 1946 में शुरू हुआ अमूल बड़े दुग्ध उत्पादक के नाते बड़ी संख्या में दूध की थैलियों का उपयोग करता है। सटीक आंकड़े भिन्न हैं, पर रिपोर्ट बताती हैं कि अमूल प्रतिदिन प्लास्टिक से बनी 2.6 करोड़ दूध की थैलियां बेचता है। मतलब, साल भर में करीब 949 करोड़ थैलियां। इसके अलावा कंपनी दही, छाछ जैसे अन्य दुग्ध उत्पाद भी प्लास्टिक की थैलियों में बेचती है, जिससे रोजाना काफी प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। वर्ष 2020 में पंजाब विधानसभा में बताया गया कि पंजाब राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ द्वारा 1973 में शुरू किए गए 'मिल्कफैड' ने 2018-19 में दूध और अन्य डेयरी उत्पादों की पैकेजिंग में 80 करोड़ प्लास्टिक थैलियां काम में लीं। आज हम 2025 में हैं और अभी दूध की खपत करने वाले युवाओं के लिहाज से बड़ी आबादी वाले उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों के संघों की बात तो की ही नहीं है। मुझे सोमवार को यह सब याद आया, जब मैंने जाना कि कैसे बेंगलुरु में नंदिनी मिल्क सप्लाई करने वाला कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) अपने लोकप्रिय ब्रांड के लिए इको-फ्रेंडली पैकेजिंग शुरू करने जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत, वे रोजाना प्राकृतिक रूप से अपघटित हो सकने वाली 2 लाख ?थैलियों के उपयोग से बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग की ओर बढ़ रहे हैं। वे रोज लगभग 50 लाख लीटर दूध, 16 लाख लीटर दही बेच रहे हैं। नष्ट होने में कई सौ वर्ष लेने वाली पारंपरिक पॉलिथीन थैलियों के विपरीत ये इको फ्रेंडली विकल्प 90 दिन के भीतर प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाते हैं।यहां तक कि इनको रासायनिक उर्वरक में भी बदला जा सकता है। केएमएफ की एक अन्य शाखा बेंगलोर मिल्क यूनियन लिमिटेड (बामूल) द्वारा हाल ही लॉन्च पायलट प्रोग्राम की सफलता के बाद अब ये नई पहल इसी वीकेंड शुरू होगी। ये परीक्षण उनके एक डेयरी फार्म में शुरू किया गया। वर्तमान में इसे चुनिंदा क्षेत्र में लागू किया जा रहा है, जिसमें इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया, रिसाव की शिकायत नहीं होने और दूध की गुणवत्ता से समझौता नहीं होने के पैमानों पर परखा जा चुका है। चूंकि ग्राहक संतुष्टि बेहतर थी, इसलिए वे नए इलाकों को कवर कर रहे हैं। जाहिर है कि जल्द ही राज्यभर में इसे शुरू किया जा सकता है। फंडा यह है कि समय आ गया है, प्लास्टिक की थैलियों में दूध ले रहे हम भारतीयों को उस मिट्टी और समुद्र को बचाने के लिए कोई री-साइकिलिंग योजना अपनानी पड़ेगी, जो हम हमारी पीढ़ियों के लिए छोड़कर जा रहे हैं। अपनी पसंद का कोई भी तरीका अपनाएं, जब तक कि हमारे शहर बायोडिग्रेडेबल थैलियों पर ना आ जाएं, पर कृपया इन्हें कचरे में ना फेंके। (एन. रघुरामन)

संभावनाएं टटोली जा रही हैं एक युवा नेतृत्व के लिए

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक बार अफसोस भरे स्वर में कहा था कि हम कांग्रेस वाले अपनी गुटबाजी सार्वजनिक रूप से जाहिर कर देते हैं, जबकि भाजपा ऐसा बंद दरवाजे के पीछे करती है। केरल में शशि थरूर के बगावती सुर हों या कर्नाटक में सिद्धारमैया बनाम डीके शिवकुमार का अनवरत पॉवर-ड्रामा- सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोपों के जरिए खुद पर ही निशाना साध बैठने की कांग्रेस की प्रवृत्ति के ये नवीनतम उदाहरण हैं। इसके विपरीत, भाजपा के भीतर जो सत्ता-संघर्ष हैं, उन पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, क्योंकि यह सब गोपनीयता के आवरण में होता है। यही कारण है कि संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी ने सबको चौंकाया। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में काम करने वालों को 75 की उम्र में 'सेवानिवृत्त' होने की सलाह दी थी। तब विपक्ष ने भी संघ प्रमुख की इस टिप्पणी को तुरंत भुनाने की कोशिश की और दावा किया कि भगवा-बिरादरी के मुखिया भाजपा में एक 'उत्तराधिकार योजना' को तुरंत लागू करना चाहते हैं। 'मोदी के बाद कौन?'- यह टीवी स्टूडियो के लिए भले ही चर्चा का आकर्षक विषय हो, लेकिन हकीकत यही है कि मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं। वे पीछे हटने वालों में से नहीं हैं, रिटायरमेंट की तो बात ही रहने दीजिए। संघ प्रमुख आमतौर पर शब्दों को तौलकर बोलते हैं। संघ का एक वर्ग भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव का इच्छुक है, यह बात सत्ता के गलियारों में कुछ समय से चल रही है। यह भी याद रखें कि संघ व्यक्तिवादी राजनीति के प्रति असहज रहता है। गत सितंबर में भी भागवत ने कहा था कि कर्म से हर कोई व्यक्ति पूजनीय बन सकता है, लेकिन हम स्वयं उस स्तर तक पहुंचे हैं या नहीं, यह हम नहीं दूसरे ही तय करेंगे। और इस सबके बावजूद, संघ जानता है कि देश में अपना राजनीतिक और वैचारिक आधिपत्य बनाए रखने के लिए फिलहाल तो मोदी ही उसके लिए सबसे बेहतर विकल्प हैं। जैसा कि सीएसडीएस 2024 के चुनाव-उपरांत सर्वेक्षण से पता चलता है, मोदी की लोकप्रियता अभी भी भाजपा से काफी ऊपर है। भाजपा के हर चार में से एक मतदाता ने कहा था कि उन्होंने केवल प्रधानमंत्री के नेतृत्व के कारण ही पार्टी को वोट दिया था। 'मोदी फैक्टर' को हटा दें तो भाजपा राजनीतिक रूप से कमजोर दिखने लगती है। आज मोदी ही ब्रांड-हिंदुत्व के राजनीतिक शुभंकर और स्टार हैं। अयोध्या में राम मंदिर से लेकर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के उन्मूलन और अब भाजपा-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों तक, मोदी सरकार ने संघ के तमाम मूल एजेंडों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं- राजदीप सरदेसाई)

सुंदरता हर तरफ है, इसलिए क्यों ना आज अपना 'बिन' निकालकर चलें

'अरे, यह तो ग्रे हेरॉन है, इसे जख्मी देखकर बहुत बुरा लग रहा है,' इस शुक्रवार को मैं अखबार हाथ में लिए चिल्लाया। पत्नी दौड़ती हुई आईं और पूछा, 'क्या हुआ?' मैंने उन्हें शुक्रवार के चार अखबार दिखाए, जिनमें अलग-अलग ऐसे पक्षियों की तस्वीरें थीं, जो या तो मारे गए थे या घायल हो गए थे। इसके साथ ही गुरुवार को मुंबई के समीप ठाणे में एक हाउसिंग सोसाइटी द्वारा पेड़ों की बेतहाशा छंटाई की खबर थी। 'क्या आपको यकीन है कि ये ग्रे हेरॉन है, इग्रेट नहीं?' उन्होंने पूछा तो मैं अपनी पुरानी डायरी ले आया और उन्हें समझाया कि कैसे हेरॉन लंबी टांगों और चौड़े पंखों वाले जलचर पक्षी होते हैं। हालांकि हेरॉन, इग्रेट और बिटर्न जैसे पक्षी एक ही आर्डीडे परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इग्रेट आमतौर पर पूरी तरह से सफेद होते हैं, जबकि हेरॉन कई रंगों के हो सकते हैं। वहीं बिटर्न की खासियत उनके घने, हल्के पीले-भूरे रंग के पंख हैं, जिन पर गहरी धारियां होती हैं। अगर मैं पक्षियों के बारे में मुझे कुछ जानकारी देने का श्रेय किसी को देना चाहूं, तो वे हॉलीवुड अभिनेता ओवेन विल्सन, स्टीव मार्टिन और जैक ब्लैक होंगे, जो मेरे मुताबिक हास्य दृश्यों में सर्वश्रेष्ठ हैं। यही कारण था कि जब वे तीनों एक साथ एक फिल्म में आए- 2011 में प्रदर्शित 'द बिग ईयर'- तो मैं उसे देखने का अवसर नहीं छोड़ पाया। फिल्म तीन पक्षी प्रेमियों की कहानी सुनाती है, और उनमें से हर कोई वही कर रहा होता है, जिसे 'द बिग ईयर' कहा गया है। वे ठान लेते हैं कि इस साल अमेरिका में किसी भी अन्य व्यक्तियों से ज्यादा पक्षी देखेंगे। और उन तीन पक्षी प्रेमियों के साथ हम दर्शक भी फिल्म में सैकड़ों पक्षी देखते हैं, और हर एक की गिनती करते हैं। लेकिन फिल्म का मर्म एक अच्छे जीवन के अर्थ के बारे में है, इस बारे में कि किसी व्यक्ति के लिए सिर्फ बड़े होने, पैसे कमाने, परिवार बनाने वगैरह से बढ़कर एक अधिक मनुष्य बनने के लिए क्या जरूरी है। फिल्म के तीनों ही नायक अपने-अपने जीवन का अर्थ समझते हैं। वे अलग-अलग चुनाव करते हैं कि क्या मायने रखता है और क्या नहीं; कौन मायने रखता है और कौन नहीं; और जीवन का वास्तविक अर्थ क्या है और क्या नहीं। फिल्म देखने के बाद के वर्षों में मैंने पक्षियों के बारे में बहुत सीखा। मुझे पता नहीं था? पक्षियों के बारे में इतना कुछ जानने को है। पहली चीज जो मैंने सीखी, वह थी बर्ड-वॉचिंग के लिए जरूरी उपकरण। फिल्म देखते हुए किसी ने कहा 'हमें अपना 'बिन' खोजना होगा।' फिल्म समाप्त होने के बाद मैंने उनसे कहा, 'माफ कीजिए, पर मैंने आपको 'बिन' कहते सुना।

पक्षियों को देखने के लिए आपको 'बिन' की क्या जरूरत है?' मुझे लगा था बिन का मतलब डस्टबिन होगा। वे जोर से हंसे और कहा कि यह बाइनोकुलर (दूरबीन) का छोटा नाम है! इसके बाद मैंने सबसे पहला जो काम किया, वो ये था कि अपना 'बिन' निकाला, जो मुझे क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस अखबार के लिए क्रिकेट को कवर करते समय उपहार में दिया था। बर्डिंग से हम प्रकृति में मौजूद विविधता के प्रति सजग हो पाते हैं। ज्यादातर पक्षी मूलतः एक जैसे ही हैं, खोखली हड्डियों, पंखों और पंजों से निर्मित। फिर भी प्रवास-मार्गों, भोजन के तरीकों और पंखों के संयोजन से उन्होंने जीवित रहने के अनगिनत तरीके खोज निकाले हैं। अलग-अलग तरह के घोंसले बनाने की उनकी क्षमता उनकी विशिष्ट रचनात्मकता को दर्शाती है, ठीक वैसे ही जैसे वास्तुकला का एक ही पाठ्यक्रम पढ़ने के बावजूद मनुष्य भवन-निर्माण में अलग-अलग प्रकार की सृजनात्मकता प्रदर्शित करते हैं। हालांकि मैं फिल्म के मुख्य पात्रों की तरह हर साल देखे जाने वाले पक्षियों की संख्या नहीं नोट करता, लेकिन पक्षियों के प्रति प्रेम मुझे अकसर घर से बाहर जाने को प्रेरित करता है, जिससे मुझे कम से कम बारिश के मौसम में हलका-फुलका व्यायाम करने का अवसर मिल जाता है। फंडा यह है कि हमारे चारों ओर चाहे जितनी लापरवाही क्यों न हो, दुनिया फिर भी बहुत सुंदर है। यह हमें चुनना है कि हमारे लिए क्या मायने रखता है और हमें किन लोगों से मिलना है। चूंकि आज वर्षा ऋतु का रविवार है, तो आप भी चयन करें और अपने 'बिन' के साथ घर से बाहर निकल पड़ें! एन. रघुरामन

हम लोगों के बीच पैदा हुई दीवारें तोड़ने में अक्षम क्यों?

बिहार में चुनाव सिर पर होने के चलते इस साल मुहर्रम पर साम्प्रदायिक हिंसा

की आशंका पहले से थी। वास्तव में, आजकल खुशियों से भरे हर त्योहार पर कलह और कटुता का डर बना रहता है। इतिहासकार विल ड्यूरेंट के अनुसार भारत पर 12वीं सदी में जो तुर्कों का आक्रमण हुआ था, वो विश्व-इतिहास के सबसे रक्तरंजित अध्यायों में से है। इसमें हिंदू मंदिरों को तोड़ा गया, धर्मांतरण और लूटपाटें हुईं। इतिहास के तथ्यों को तो झुठलाया नहीं जा सकता। लेकिन सदियों से भारत में एक गंगा-जमुनी संस्कृति भी विकसित हुई है, जिसमें यदि बंटवारे और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने से हुई हिंसा के कुछ मौकों को छोड़ दें तो हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के साथ सह-अस्तित्व की भावना के साथ रहना सीखे हैं। उनके बीच पारस्परिक निर्भरता और सौहार्द का संबंध विकसित हुआ है। क्या लोग यह जानते हैं कि ओडिशा के रेमांडा गांव का एक मुस्लिम परिवार हिंदुओं के वार्षिक रथयात्रा महोत्सव की अनुवाई करता है? क्या उन्हें मालूम है कि अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर फूलवालों की सैर के दौरान दिल्ली के महरौली में सूफी संत ख्वाजा बख्तियार काकी की मजार से पहले जोगमाया मंदिर जाया करते थे? या यह कि केरल में सबरीमलै पहाड़ियों पर स्थित अय्यप्पा मंदिर की चढ़ाई करने वाले लाखों हिंदू श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में पड़ने वाली एक मुस्लिम संत की दरगाह भी एक पवित्र स्थान है? लखनऊ में हिंदू व्यापारियों के चिकन/जरदोजी उद्योगों में बड़ी संख्या में मुसलमान काम करते हैं। सीतापुर और मिर्जापुर के मुनाफे वाले कालीन कारोबार में हिंदू और मुस्लिम दोनों साझेदार हैं। वाराणसी में मुसलमान लाजवाब बनारसी साड़ी बुनते हैं और हिंदू इस व्यापार में पैसा लगाते हैं। महाराष्ट्र में कई मुस्लिम शिल्पकार गणेश प्रतिमाएं बनाते हैं। केरल के त्रिशूर में वडक्कुन्नाथन मंदिर के पूरम उत्सव के दौरान मुसलमान और ईसाई मदद करते हैं। बंगाल में भी दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कलाकार पंडाल और मूर्तियां बनाते हैं। मुझे याद है कि बचपन में कैसे हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के त्योहारों में खुशी-खुशी शरीक होते थे। होली पर मुस्लिम परिवार गुझिया और ठंडाई बनाते थे और उनके पड़ोसी हिंदू ईद पर सेवइयों और बिरयानी का लुत्फ उठाते थे। बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों में हिंदू कलाकार मुहर्रम के लिए ताजिये बनाते हैं। बिहार में पटना से 100 किलोमीटर के दायरे में भारत के प्रमुख धर्मों के कुछ सबसे महत्वपूर्ण स्थल मौजूद हैं, जैसे जैनों के लिए पावापुरी, बौद्धों के लिए बोधगया और हिंदुओं के लिए गया, मुसलमानों के लिए बिहार शरीफ और सिखों के लिए गुरु गोविंद सिंह की जन्मस्थली पटना साहिब भी वहीं है। राजनेता धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। स्वयंभू धर्म-प्रचारकों- जिनमें हिंदू और मुस्लिम दोनों सम्मिलित हैं- को साम्प्रदायिक नफरत फैलाने के लिए उपयोग किया जाता है। ऐसे हिंदुओं के लिए ही आठवीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने दो टूक शब्दों में कहा था- 'जटिलो मुण्डी लुञ्छितकेशः, काषायाम्बर बहुकृतवेषः। पश्यन्नपि च न पश्यति मूढः, उदरनिमित्तं बहुकृतवेषः।' अर्थात्, बहुत-से लोग अपनी जटाएं गुंथते हैं, सिर मुंडवाते हैं, गेरुए वस्त्र पहनते हैं, लेकिन वे यह सब वह सिर्फ अपने पेट के लिए यानी निजी स्वार्थवश करते हैं। वहीं 15वीं सदी में कबीर ने कहा था- 'पूरबि दिसा हरि का बासा, पछिम अलह मुकामा। दिल ही खोज दिलै भीतर, इहां राम रहिमांना।' 18वीं सदी में उर्दू के दिग्गज शायर मीर तकी मीर ने भी घोषणा की थी- 'मीर के दीन-ओ-मजहब को अब पूछते क्या हो उन ने तो, कश्का खेंचा दैर में बैठा कब का तर्क इस्लाम किया।' 18वीं शताब्दी में शायर मिर्जा गालिब ने भी संकीर्ण मानसिकता वाले मौलवियों का यह कहकर मखौल उड़ाया था- 'कहां मैखाने का दरवाजा गालिब और कहां वाइज, बस इतना जानते हैं कल वो जाता था जब हम निकले।' हमारे देश को क्या हो गया है, जो विश्वगुरु तो बनना चाहता है, लेकिन अपने ही लोगों के बीच पैदा हुई कट्टरता की दीवारें तोड़ने में अक्षम है? भारतवासियों को उन्हें धर्म के आधार पर बांटने वाले राजनेताओं से वही कहना चाहिए, जो साहिर लुधियानवी ने 1959 की फिल्म 'धूल का फूल' में कहा था- 'तू हिंदू बनेगा ना मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।' राजनेता अपने धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। हमारे देश को आखिर क्या हो गया है? (ये लेखक के अपने विचार हैं- पवन के. वर्मा)

अमेरिका ने फिर चीन पर एक्स्ट्रा टैरिफ 90 दिन टाला,फैसले से पहले ट्रम्प बोले- मेरा जिनपिंग से अच्छा रिश्ता; फिलहाल चीन पर 30फीसदी टैरिफ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के फैसले को एक बार फिर 90 दिनों के लिए टाल दिया है। सोमवार को ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने यूएस-चीन टैरिफ डेडलाइन 9 नवंबर तक बढ़ाने के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किया। इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच 11 मई को जिनेवा में ट्रेड डील हुई थी। इसमें टैरिफ बढ़ाने के फैसले को 90 दिन के लिए टालने की सहमति बनी थी। अमेरिका ने चीन पर फिलहाल 30फीसदी टैरिफ लगा रखा है। अमेरिका और चीन के बीच लंबा टैरिफ वॉर चला। ट्रम्प ने चीन पर 245फीसदी तक टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। चीन ने जवाब में 125फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही। हालांकि, जिनेवा ट्रेड डील के बाद यह लागू नहीं हुआ। डेडलाइन बढ़ाने से कुछ घंटे पहले सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में

ट्रम्प से चीन पर टैरिफ बढ़ाने पर सवाल पूछा गया था। उन्होंने कहा,- 'देखते हैं क्या होता है। वे काफी अच्छे से काम कर रहे हैं। मेरा और राष्ट्रपति जिनपिंग का रिश्ता काफी अच्छा है।' चीन पर अमेरिका के हाई टैरिफ का सीधा असर उसके निर्यात और इंडस्ट्री पर पड़ेगा। चीन अमेरिका को लगभग 500 अरब डॉलर (43 लाख करोड़ रुपए) से अधिक का सामान निर्यात करता है। एप्पल जैसे ब्रांड चीन में बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन करते हैं। उन्हें महंगाई का सामना करना पड़ेगा। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के व्यापक टैरिफ उपायों के बावजूद चीन का आर्थिक प्रभाव सीमित रहा है। यदि टैरिफ दर बढ़ती है, तो इससे चीन की जीडीपी 1फीसदी तक घट सकती है। ट्रम्प के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने इससे पहले कहा था कि चीन पर और ज्यादा टैरिफ लगाया जाएगा, इसकी संभावना कम है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा करने से अमेरिका को भी नुकसान हो सकता है।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने पिछले सप्ताह रूस से तेल खरीदने की दलील देकर भारत पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके बाद भारत पर कुल टैरिफ 50फीसदी हो गया। एक्स्ट्रा टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। भारत ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे गलत बताया। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसका तेल आयात पूरी तरह बाजार के हिसाब से तय होता है और यह उसके 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। पिछले महीने ट्रम्प ने रूस पर भी 100फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने जुलाई में कहा था कि अगर मॉस्को 50 दिन के भीतर यूक्रेन के साथ पीस डील नहीं करता है तो वह रूस पर 100फीसदी टैरिफ लगाएंगे। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर सेकेंडरी टैरिफ भी लगाएंगे।

गलती से आपके अकाउंट में आया पैसा,तो क्या उसे खर्च कर सकते हैं, जानें गलत ट्रांजैक्शन से जुड़े आरबीआई के नियम सवाल जवाब के माध्यम से

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक मृत महिला के बैंक अकाउंट में अचानक 1 अरब रुपए से ज्यादा की रकम आ गई। महिला का बेटा जब मोबाइल एप से अकाउंट चेक कर रहा था तो इतनी बड़ी रकम देखकर चौंक गया। यह खबर तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मामला बढ़ता देख बैंक और पुलिस हरकत में आई। जांच में पता चला कि यह रकम असल में एक लोन एप की तकनीकी गड़बड़ी के कारण अकाउंट में दिख रही थी। हकीकत यह थी कि अकाउंट में शून्य बैलेंस था और उसे पहले ही फ्रीज किया जा चुका था। यह पहला ऐसा मामला नहीं है। पहले भी कई बार लोगों के बैंक अकाउंट में गलती से बड़ी रकम ट्रांसफर हो चुकी है। कुछ लोगों ने उस पैसे को अपना समझकर खर्च भी कर दिया, लेकिन बाद में उन्हें पुलिस केस, जुर्माना का सामना भी करना पड़ा। तो चलिए, 'जरूरत की खबर' में जानते हैं कि बैंक अकाउंट में गलती से आए पैसे को क्या आप खर्च कर सकते हैं? साथ ही जानेंगे कि- क्या इस तरह के पैसे को खर्च करने पर केस हो सकता है? अगर किसी गलत बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर हो जाएं तो क्या करें? बताएंगे एक्सपर्टः राजशेखर, प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, देहरादून- सवाल- बैंक अकाउंट में गलती से पैसा आने के

क्या कारण हो सकते हैं? जवाब- कई बार बैंकिंग सिस्टम, टेक्निकल एरर या मानवीय गलती के कारण बैंक अकाउंट में गलत पैसे आ सकते हैं। सवाल- अगर मेरे बैंक अकाउंट में गलती से लाखों-करोड़ों रुपए आ जाएं तो सबसे पहले क्या करना चाहिए? जवाब- ऐसी स्थिति में सबसे पहला और जरूरी कदम बैंक को तुरंत सूचित करना है। आप अपनी ब्रांच जाकर या बैंक के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके इसकी जानकारी दें। आरबीआई के मुताबिक अगर कोई रकम ट्रांजैक्शन एरर से अकाउंट में आई है तो वह केवल ट्रांजिटरी बैलेंस माना जाएगा, न कि आपका पैसा। बैंक उस रकम को ट्रेस कर सकता है और वापस लेने का हक रखता है। इस रकम को निकालना गलत है।सवाल- अगर गलती से मिले पैसे खर्च कर दिए जाएं तो क्या कार्रवाई हो सकती है? जवाब- अगर आपने गलती से बैंक अकाउंट में आए पैसे को निकाल लिया या खर्च कर लिया तो यह भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत आपराधिक विश्वासभंग और धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है। सवाल- ऐसे मामलों में आरबीआई की क्या गाइडलाइंस होती हैं? जवाब- आरबीआई का स्पष्ट निर्देश है कि बैंक को गलती से आए क्रेडिट या डेबिट की स्थिति में ग्राहक को तुरंत सूचित करना चाहिए और जल्द-से-जल्द जांच करके उस रकम की वापसी सुनिश्चित करनी चाहिए। आरबीआई की 'कस्टमर राइट्स पॉलिसी' के अनुसार ग्राहक को अनुचित लाभ लेने से बचना चाहिए और बैंक के साथ पूरी सहमति एवं सहयोग करना जरूरी है।सवाल- अगर आपने किसी और के अकाउंट में गलती से पैसे भेज दिए हैं तो क्या करें? जवाब- इस स्थिति में तुरंत अपने बैंक को लिखित सूचना दें। बैंक उस ट्रांजैक्शन को 'मिस्टेक क्रेडिट' मानते हुए रिसीवर बैंक से संपर्क करेगा। अगर दूसरा व्यक्ति पैसे वापस नहीं करता तो आप उसके खिलाफ केस कर सकते हैं। आरबीआई की गाइडलाइन के अनुसार ऐसी गलती की जानकारी देने पर बैंक को 7 कार्यदिवस के अंदर प्रक्रिया शुरू करनी होती है।सवाल- अगर बैंक या भेजने वाला व्यक्ति गलती साबित न कर पाए तो क्या होगा? जवाब- अगर बैंक यह साबित नहीं कर पाता कि रकम गलती से आई है तो वह इसे वापस नहीं ले सकता है। इस स्थिति में आपको रकम रखने का अधिकार मिल सकता है, लेकिन ऐसे मामले बहुत दुर्लभ होते हैं। आमतौर पर बैंक और भेजने वाले के पास लेन-देन का स्पष्ट रिकॉर्ड होता है। सवाल- क्या गलती से आए पैसे पर टैक्स देना पड़ता है? जवाब- हां, अगर गलती से आए पैसे को आप रख लेते हैं और वापस नहीं करते हैं तो यह आपकी इनकम मानी जाएगी और इनकम टैक्स नियमों के तहत उस पर टैक्स लग सकता है। हालांकि अगर आपने रकम तुरंत बैंक को लौटा दी तो यह आपकी टैक्सेबल इनकम में शामिल नहीं होगी।

देश में 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते:70फीसदी को सालभर में टीके लगेंगे, तीन मंत्रालयों ने राज्यों को जारी की एडवायजरी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आठ दिन में दिल्ली-एनसीआर की सड़कों से आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाकर शेल्टर होम ले जाने के आदेश के बाद छिड़ी बहस के बीच नई जानकारी समाने आई है। केंद्र सरकार ने आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ने और लावारिस पशुओं द्वारा आमजन को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं पर चिंता

जताई है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने ऐसे पशुओं पर नियंत्रण के लिए मास्टर एक्शन प्लान बनाया है। तीनों मंत्रालयों ने सभी राज्यों को एक एडवाइजरी भेजी है। इसमें कहा गया है कि देश में 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते हैं। इनमें 70फीसदी का वैक्सीनेशन व नसबंदी एक साल में करने का टारगेट रखा गया है। इसके अलावा 2019 की पशु गणना के अनुसार देश में 50 लाख बेसहारा पशु हैं। इस अभियान में पहली बार ग्राम पंचायतें भी जुड़ेंगी। अभियान के लिए राज्यों को एनिमल वेलफेयर बोर्ड की मदद लेने को कहा गया है। बता दें कि तीनों मंत्रालयों ने यह कदम केंद्र को आवारा कुत्तों के काटने और बेसहारा पशुओं के कारण हो रहे हादसों की हजारों शिकायतें मिलने के बाद उठाया है।आवारा कुत्तों को ग्रीन कॉलर टैग पहनाया जाएगा। इस पर उसके वैक्सीनेशन और स्टरलाइजेशन की जानकारी होगी। इसकी सूचना पशुधन पोर्टल पर भी दर्ज करनी होगी। बेसहारा पशुओं के स्टरलाइजेशन के बाद उनके कान में हरे रंग का टैग लगाया जाए। इससे नगर निकाय के कर्मचारियों को पता चलेगा कि किस पशु को पकड़ना है और किसे नहीं? राहुल बोले- बेजुबान पशु कोई समस्या नहीं, उन्हें हटाना क्रूरता कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये दशकों से चली आ रही मानवीय और साइंटिफिक पॉलिसी से पीछे ले जाने वाला कदम है। ये बेजुबान पशु कोई 'समस्या' नहीं हैं, जिन्हें हटाया जाए। राहुल ने एक्स पर लिखा, 'शेल्टर्स, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल अपनाया जाना चाहिए। इससे बिना क्रूरता के भी डॉग्स को सुरक्षित रखा जा सकता है। पूरी तरह पाबंदी क्रूर-अदूरदर्शी है और हमारी दया-भावना को खत्म करता है। हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण दोनों कैसे साथ-साथ चलें।'सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्ते के भीतर सड़क से हटाने और उन्हें विशेष शेल्टर होम में भेजने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने हिदायत दी कि ये कुत्ते सड़कों पर वापस नहीं लौटने चाहिए। उधर, राजस्थान हाई कोर्ट ने भी सोमवार को शहरी सड़कों से आवारा कुत्ते और पशु हटाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच आवारा कुत्तों के बच्चों पर हमले की खबर पर खुद ही नोटिस लेकर सुनवाई कर रही है। कोर्ट ने इस काम में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। कोर्ट ने कहा, कोई व्यक्ति या संगठन बाधा बना तो अवमानना की कार्यवाही की जा सकती है। कोर्ट ने पशु एवं कुत्ते प्रेमियों को आड़े हाथों लेते हुए सवाल किया कि क्या वे रेबीज के शिकार बच्चों को वापस ला पाएंगे? बच्चों को किसी भी कीमत पर रेबीज नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को आवारा कुत्तों के हमलों के कारण रेबीज से होने वाली मौतों की घटनाओं पर खुद नोटिस लिया था। कोर्ट ने इसे बेहद चिंताजनक और डराने वाला बताया था। इससे पहले पशुपालन राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने 22 जुलाई को लोकसभा में बताया था कि 2024 में 37 लाख से ज्यादा डॉग बाइट्स के मामले आए। इसके अलावा 54 लोगों की मौत रेबीज से हुई। रिपोर्ट दिल्ली में छह साल की बच्ची छवि शर्मा की मौत से जुड़ी हुई है। उसे 30 जून को एक कुत्ते ने काट लिया था। इलाज के बावजूद 26 जुलाई को उसकी मौत हो गई। प्रियंका बोलीं- कुत्ते सबसे सुंदर और कोमल प्राणी हैं- प्रियंका गांधी ने कहा कि कुत्ते सबसे सुंदर और कोमल प्राणी होते हैं, वे इस तरह की क्रूरता के लायक नहीं हैं। आवारा कुत्तों को कुछ ही हफ्तों में शेल्टर होम भेजने का फैसला उनके साथ बेहद अमानवीय व्यवहार होगा। उन्हें रखने के लिए जरूरी शेल्टर होम भी नहीं हैं। शहर में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार और क्रूरता होती है। निश्चित रूप से इस स्थिति से निपटने का एक बेहतर और एक मानवीय तरीका खोजा जा सकता है जिससे इन मासूम जानवरों की देखभाल की जा सके और उन्हें सुरक्षित भी रखा जा सके। मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उठाया सवाल राहुल ही नहीं बल्कि मेनका गांधी ने भी सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश पर सवाल उठाए हैं। मेनका ने भी सोमवार को कहा, 'दिल्ली में तीन लाख आवारा कुत्ते हैं। उन सभी को पकड़कर शेल्टर होम भिजवाया जाएगा। उनको सड़कों से हटाने के लिए दिल्ली सरकार को 1 हजार या 2 हजार शेल्टर होम बनाने होंगे। क्योंकि ज्यादा कुत्तों को एक साथ नहीं रखा जा सकता।देश में मणिपुर, दुनिया में नीदरलैंड्स में आवारा कुत्ते नहीं 2019 के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में ओडिशा में सबसे अधिक 1000 लोगों पर 39.7 कुत्ते हैं। वहीं, लक्षद्वीप-मणिपुर में कोई कुत्ते नहीं। नीदरलैंड्स ऐसा देश है जहां आवारा कुत्ते नहीं हैं।

विपक्ष भी उपराष्ट्रपति उम्मीदवार उतारेगा, 18 अगस्त को मीटिंग:खड़गे इंडिया ब्लॉक के नेताओं से बात कर रहे; चुनाव 9 सितंबर को

नयी दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता उपराष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पर चर्चा के लिए 18 अगस्त को बैठक कर सकते हैं।

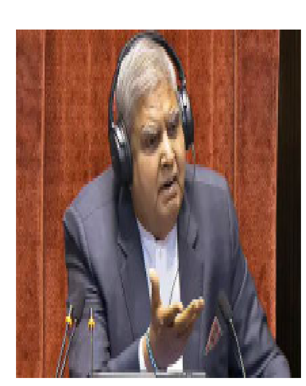

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इंडिया ब्लॉक के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी और उसी दिन मतगणना भी होगी। उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। भाजपा की तरफ से थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार इस बीच, भाजपा इस पद के लिए अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को उम्मीदवार बना सकती है। फिलहाल जिन नामों पर पार्टी में विचार चल रहा है, उनमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। अन्य नाम सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भी है।

उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को,नामांकन 21 अगस्त तक,धनखड़ ने 21 जुलाई को दिया था इस्तीफा, जानें उपराष्ट्रपति चुनने की प्रक्रिया

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को होगा। 21 अगस्त तक उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन भरे जाएंगे। जगदीप

धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया था।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 22 जुलाई को धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।6 स्टेप में चुना जाता है उपराष्ट्रपति, ऐसे समझें सबसे पहले निर्वाचक मंडल की लिस्ट बनती : उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए सबसे पहले निर्वाचक मंडल लिस्ट बनती है। इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित और नामित सदस्य शामिल होते हैं। दोनों सदनों में सदस्यों की कुल संख्या 782 है। लोकसभा में 542 और राज्यसभा में 240 है। ऐसे में नए उपराष्ट्रति पद पर वही व्यक्ति निर्वाचित होगा, जिसके पास 394 सदस्यों का समर्थन होगा। इस गणित से देखे तो एनडीए के पास दोनों सदनों में कुल 422 सदस्यों का बहुमत है। 7 अगस्त को जारी की जाएगी अधिसूचनाः चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होते ही नामांकन शुरू हो जाता है। इसकी आखिरी तारीख 21 अगस्त है। नामांकन के लिए 20 सांसदों का समर्थन जरूरीः उम्मीदवार को कम से कम 20 सांसदों की तरफ से प्रस्तावित होना जरूरी है। इसके अलावा 20 सांसदों का समर्थन भी चाहिए।सांसद ही मतदाता, इसलिए प्रचार सीमितः चुनाव में केवल सांसद मतदाता होते हैं। इसलिए यह प्रचार सीमित दायरे में होता है। उम्मीदवार और उनके समर्थक दल प्रचार में शामिल होते हैं। मतदान कैसे होता हैः हर सांसद मतपत्र पर प्रत्याशियों को प्राथमिकता के क्रम में (1, 2, 3...) टिक करता है। वोटिंग तभी होती है, जब एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में होते हैं। अन्यथा एक उम्मीदवार होने पर प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत जाता है। एक ही दिन वोटिंग और रिजल्टः मतदान के बाद ही रिजल्ट आ जाता है। उसकी वजह यह है कि दोनों सदनों के 782 सदस्य मतदान करते हैं। इनकी गणना कुछ घंटों में हो जाती है। जीत के लिए कुल वैध मतों का बहुमत यानी 50फीसदी से अधिक प्राप्त करना होता है। इसके बाद नतीजे घोषित किए जाते हैं। इस बार 9 सितंबर को सुबह 10 से 5 बजे के बीच वोटिंग होगी। उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया ब्लॉक जॉइंट कैंडिडेट उतार सकता है. धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। भाजपा की तरफ से इस पद के लिए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत और सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के नाम पर विचार चल रहा है। वहीं, इंडिया गठबंधन एक संयुक्त उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। न्यूज एजेंसी पीटीआई सूत्रों के मुताबिक, भले ही एनडीए के पास बहुमत है, फिर भी विपक्ष मानता है कि मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नहीं है। उसे चुनाव से पीछे नहीं हटना चाहिए। आयोग ने इस पद के लिए निर्वाचक मंडल, रिटर्निंग ऑफिसर और अन्य जरूरी चीजों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। आयोग की तैयारियों के बीच भाजपा की कोशिश होगी कि इस पद का उम्मीदवार किसी अन्य सहयोगी को बनाने की जगह अपने उम्मीदवार का नाम तय कर उसके नाम पर सहयोगी दलों को राजी करे।

कश्मीर के उरी में एक जवान शहीद,सेना ने एलओसी पर आतंकी घुसपैठ की कोशिश नाकाम की; 13 दिन में तीसरी मुठभेड़

कश्मीर। उत्तरी कश्मीर के उरी सेक्टर में एलओसी के पास बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने आतंकियों की घुसपैठ को नाकाम कर दिया। ऑपरेशन के दौरान एक जवान शहीद हुआ है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया है। पिछले 13 दिनों में आतंकियों से सेना की यह तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 10 अगस्त को किश्तवाड़ के दुल इलाके में सेना को आतंकियों के छिपे होने की सूचना के बाद सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान आतंकियों ने सेना पर फायरिंग की थी। यहां भी सर्चिंग जारी है। 1 अगस्त से कुलगाम के अखल जंगलों में आतंकियों की तलाश में सर्चिंग चल रही है। यहां 2 जवान शहीद हुए हैं, 9 जवान घायल हैं। दो आतंकी भी मारे जा चुके हैं। सुरक्षाबलों ने 2 अगस्त की सुबह पुलवामा के आतंकी हारिस नजीर डार को मार गिराया था। वो सी-कैटेगरी का

आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे।एक अधिकारी ने बताया था कि इलाके में आतंकी गतिविधि की गुप्त सूचना मिलने के बाद 1 अगस्त की शाम सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की थी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई थी। जंगल में कुल कितने आतंकी छिपे हैं, यह अभी साफ नहीं है। 28 जुलाई को सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत, लिडवास के जंगलों में पहलगाम हमले में शामिल 3 आतंकियों को मारा था। 31 जुलाई को पुंछ में एलओसी के पास दो और आतंकी घुसपैठ के दौरान मारे गए थे।सुरक्षाबलों ने जिन 14 आतंकियों की लिस्ट जारी की थी, उनमें से अब तक 7 मारे जा चुके हैं। हारिस नजीर को छोड़कर, बाकी के 6 आतंकी मई में शोपियां और पुलवामा में एनकाउंटर के दौरान मारे गए थे। शोपियां में 13 मई को ढेर किए गए आतंकियों के नाम शाहिद कुट्टे, अदनान शाफी, अहसान उल हक शेख थे। 15 मई को पुलवामा एनकाउंटर में आमिर नजीर वानी, यावर अहमद भट और आसिफ अहमद शेख मारा गया था।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन महादेव के अगले दिन, 29 जुलाई को पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 28 जुलाई को इन्हें मार गिराया गया। इनके नाम सुलेमान, अफगान और जिब्रान हैं। ये तीनों आतंकी पहलगाम हमले में शामिल थे।शाह ने बताया, 'पाकिस्तानी वोटर आईडी और पाकिस्तानी चॉकलेट्स से पहलगाम के आतंकियों की पहचान की। हमले के दिन प्लानिंग की, 3 महीने ट्रैक किया फिर घेरकर मारा। हमारे पास इसके सबूत भी हैं।' उन्होंने बताया कि आतंकियों की मदद करने वाले 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

15 अगस्त को पीएम का लालकिले से 12वां संबोधन:इस बार सेना के शौर्य को समर्पित होगा मोदी का भाषण

नयी दिल्ली। 79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के लालकिले की प्राचीर से लगातार 12वीं बार राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इस बार भी कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी हो रही है। सूत्रों की मानें तो पीएम अपने संबोधन से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को भारत का विजन देंगे। साथ ही, पूरा संबोधन सेना के शौर्य को समर्पित होगा। इसके अलावा, मोदी जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले में केंद्र के रोडमैप का ऐलान भी कर सकते हैं। इस बारे में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल सिफारिशें दे चुके हैं। राज्य के दर्जे की बहाली की औपचारिक घोषणा के बाद विधायी और कार्यपालिका के स्तर पर तेजी से कदम बढ़ाए जा सकेंगे। सूत्रों के अनुसार राज्य का दर्जा बहाल करने के विधेयक में मौजूदा विधानसभा को राज्य विधानसभा के तौर पर आगे बढ़ाने का प्रावधान

होगा। मोदी हर साल अपने भाषण में ऐसे बड़े ऐलान करते हैं, जिनसे देश को दिशा मिले। मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया आदि का ऐलान भी स्वतंत्रता दिवस पर ही हुआ है। इस बार 4 विषयों से संबंधित घोषणाएं हो सकती हैं- सेना का शौर्यः इस बार का संबोधन ऑपरेशन सिंदूर सेना द्वारा दिखाए गए शौर्य को समर्पित होगा। मोदी आतंक के खिलाफ भारत की नई रणनीति अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बताएंगे। पीएम इसके कूटनीतिक और राजनीतिक पहलू बताएंगे। राजनीतिः मोदी महिला कल्याण की नई योजना और किसान सम्मान निधि को लेकर भी बड़ा ऐलान कर सकते हैं। इसका रोडमैप तैयार है। आत्मनिर्भरः सैन्य बलों के आधुनिकीकरण के लिए आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के बारे में भी घोषणाएं हो सकती हैं। अर्थव्यवस्थाः मोदी भारत को तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने का रोडमैप भी दे सकते हैं, ताकि टैरिफ वॉर के बीच दुनिया हमारी ताकत महसूस करे।

सारा हुई 30 की, रोहित शेट्टी से हाथ जोड़कर मांगा काम,नेपोटिज्म ट्रोलिंग पर बोली- मां-बाप नहीं बदल सकती, ऐश्वर्या से मिली एक्ट्रेस बनने की प्रेरणा

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान ने अपनी मेहनत, लगन और

प्रतिभा से इंडस्ट्री में अपनी एक खास जगह बनाई है। हालांकि, वो फिल्मों से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। नेपोटिज्म की वजह से अक्सर ट्रोल होती रहती हैं। ट्रोलिंग पर सारा अली खान ने कहा था, 'मैं अपने मां- बाप को तो नहीं बदल सकती। मैं हमेशा चाहती हूं कि लोग मुझे मेरे काम से पहचानें।'सारा अली खान बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थीं, लेकिन सैफ चाहते थे कि बॉलीवुड में आने से पहले सारा अपनी पढ़ाई पूरी करें। अपने पापा की बात मानते हुए सारा ने 2016 में न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन पूरी किया और 16 साल की उम्र में 2018 में फिल्म 'केदारनाथ' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। इस फिल्म

में सारा अली खान के साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत नजर आए। इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस को 'बेस्ट फीमेल डेब्यू' का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। 'केदारनाथ' के डायरेक्टर ने 5 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा था- मिड डे में छपी रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म 'केदारनाथ' की शूटिंग के समय सारा अली खान ने फिल्ममेकर रोहित शेट्टी की 'सिंबा' साइन कर ली थी। इसकी वजह से दोनों फिल्मों की शूटिंग डेट क्लैश हो रही थी। इसका ज्यादा असर डायरेक्टर अभिषेक कपूर की फिल्म 'केदारनाथ' पर पड़ रहा था। इस फिल्म की शूटिंग सारा ठीक से नहीं कर पा रही थीं। इससे परेशान होकर डायरेक्टर ने लीगल एक्शन लिया और सारा अली खान को कोर्ट में घसीट लिया। अभिषेक ने

कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने के बदले में एक्ट्रेस से 5 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा था। इस मामले से बहुत परेशान

होकर जब सारा ने सारी बात अपने पिता सैफ अली को बताई तो सैफ और करण जौहर ने इस मैटर को सॉल्व कराया।फिल्म 'सिंबा' के प्रमोशन के दौरान सारा अली खान ने बताया था कि इस फिल्म में उन्हें इतनी आसानी से काम नहीं मिला था। वह लगातार रोहित शेट्टी को मैसेज करके काम मांगती रहीं। पहले रोहित शेट्टी, सारा के मैसेज का जवाब नहीं देते थे। बाद में मिलने के लिए ऑफिस में बुलाया। रोहित शेट्टी के सामने हाथ जोड़े- सारा अली खान ने आगे बताया था- एक दिन मैं सीधा अकेले ही रोहित सर के ऑफिस पहुंच गई थी। उनको शायद यह उम्मीद थी कि मैं अपने मैनेजमेंट टीम के साथ या मम्मी के साथ मिलने आऊंगी, लेकिन मैं तो सफेद रंग का सलवार कमीज पहन कर, बाल में जूड़ा लगाकर, एकदम साधारण रूप में काम मांगने पहुंच गई। मैंने रोहित सर के सामने सचमुच हाथ जोड़े और कहा कि सर आप मुझे काम दे दो। रोहित शेट्टी के फिल्मों की बहुत बड़ी फैन- मैं रोहित शेट्टी के फिल्मों की बहुत बड़ी फैन हूं। मैं चाहती हूं ऐसा कोई जॉनर न हो, जिसे लेकर लोग कहें कि यह काम तो सारा नहीं करेगी। मैं हर तरह के किरदार, हर तरह की कहानियां और सभी प्लेटफॉर्म के लिए काम करना चाहती हूं। मैंने खुद को किसी भी फॉर्मेट में बांध नहीं रखा है। बस एक ही चीज है कि मैं वही कहानी और किरदार चुनूंगी, जिससे मैं सबसे ज्यादा कन्विंस हो जाऊं। रोहित शेट्टी कॉमर्शियल सिनेमा के किंग हैं। केदारनाथ के दौरान बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव देखे फिल्म 'सिंबा' के प्रमोशन के दौरान ही सारा अली खान ने बताया था- मैंने 'केदारनाथ' के दौरान बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव देखा था, जब किसी को पता नहीं था कि क्या होने वाला है? मैं नई थी, आज भी हूं, उस समय सिर्फ एक ही फिल्म केदारनाथ से जुड़ी थी, जिसका डावांडोल हो रहा था। ऐसे में कोई मुझे दूसरी फिल्म नहीं देने वाला था, लेकिन रोहित सर ने भरोसा जताया और अपनी फिल्म में लिया। सारा अली खान ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से इंडस्ट्री में अपनी एक खास जगह बनाई है। इसके बावजूद सारा नेपोटिज्म की वजह से अक्सर ट्रोल होती रहती हैं। एबीपी नेटवर्क की ओर से आयोजित आइडिया समिट 2023 के दौरान सारा अली खान ने नेपोटिज्म के मुद्दे पर खुलकर बात की थी। इस दौरान जब सारा से पूछा गया कि एक स्टार किड्स के नजरिए से ये माना जाता है कि उन्हें प्लेटफॉर्म रेडी मिलता है। क्या वो अच्छा लगता है या फिर काबिलियत पर सवाल उठाया जाता है। इस सवाल के जवाब में सारा ने कहा था- जिन चीजों पर हम कंट्रोल नहीं कर सकते हैं उसके बारे में ज्यादा चर्चा करना और सोचना फायदेमंद नहीं है। मैं अपने नाम से भागना नहीं चाहती हूं और न ही भाग सकती हूं। मैं हमेशा चाहती हूं कि लोग मुझे मेरे काम से पहचानें।एक्टिंग के साथ-साथ सारा अली खान अफेयर्स को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। टाइम्स नाउ में छपी खबर के मुताबिक सारा का अब तक सुशांत सिंह राजपूत, ईशान खट्टर, हर्षवर्धन कपूर, भारतीय युवा क्रिकेटर शुभमन गिल, वीर पहाड़िया और कार्तिक आर्यन के साथ नाम जुड़ चुका है। सुशांत सिंह राजपूत के साथ सारा ने फिल्म 'केदारनाथ' से बॉलीवुड में लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू किया था। इस फिल्म की शूटिंग

के दौरान दोनों के बीच नजदीकियों की खबरें उड़ी थीं। ईशान खट्टर के साथ भी सारा की डेटिंग के बारे में कई अटकलें लगाई गई थीं। जब सारा करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में आई थीं, तो कई नेटिजेंस ने उनके इस इशारे को समझ लिया था, जब उन्होंने कहा था कि उन्होंने दो फिल्मी भाइयों में से एक को डेट किया है। हालांकि, दोनों ने इस बात की कोई पुष्टि नहीं की थी। इसी रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सारा अली खान ने अनिल कपूर के बेटे हर्षवर्धन कपूर को भी डेट किया था। दोनों को कई इवेंट्स में एक-दूसरे का हाथ थामे देखा गया। दोनों एक-दूसरे को 'बेबी' कहकर बुलाते थे। भारतीय युवा क्रिकेटर शुभमन गिल का नाम भी सारा अली खान के

साथ जुड़ चुका है। जब दोनों को देर रात डिनर पर स्पॉट किया गया था तब ये बात आग की तरह फैल गई थी कि दोनों डेट कर रहे हैं। वीर पहाड़िया के साथ भी सारा के अफेयर के खूब चर्चे रहे हैं। सारा अली खान राजनेता सुशील कुमार शिंदे के पोते वीर पहाड़िया को डेट करती थीं। हालांकि, दोनों रिलेशनशिप में रहने के बाद अलग हो गए थे। सारा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उनके साथ कई तस्वीरें भी शेयर करती थीं, लेकिन ब्रेक के बाद सारा ने तस्वीरों को डिलीट कर दिया था।टाइम्स नाउ में छपी रिपोर्ट के मुताबिक कार्तिक आर्यन और सारा अली खान कथित तौर पर रिलेशनशिप में थे, लेकिन उन्होंने कभी मीडिया के सामने इसकी पुष्टि या खंडन नहीं किया। दोनों एक साथ फिल्म 'लव आज कल' में काम कर चुके हैं। सारा अली खान ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण सीजन 8' में कहा था कि कार्तिक आर्यन पर उनका क्रश था। अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ नजदीकियों के चर्चे- हाल ही में सारा अली खान को रूमर्ड बॉयफ्रेंड अर्जुन के साथ देखा गया, जिससे उनके रिश्ते की चर्चा फिर से तेज हो गई। बॉलीवुड के मशहूर फोटोग्राफर पल्लव पालीवाल के शेयर किए गए एक वीडियो में, सारा एक खूबसूरत सफेद सूट पहने गुरुद्वारे से बाहर निकलती हुई दिखाई दे रही हैं। कुछ ही देर बाद अर्जुन भी उनके साथ कार में कैजुअल कपड़े पहने हुए दिखाई देते हैं। इससे उनके रिश्ते को लेकर अटकलें और तेज हो गई हैं।अर्जुन प्रताप बाजवा एक एक्टर, म्यूजिशियन और मिक्स्ड मार्शल आर्ट के शौकीन हैं। एक पावरफुल राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले अर्जुन पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष फतेह जंग सिंह बाजवा के बेटे हैं। अर्जुन ने सिंह इज ब्लिंग जैसी फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है। सारा अली खान ने बताया कि किसे डेट किया -फिल्म फेयर को दिए इंटरव्यू में सारा अली खान ने कहा था कि वे वीर पहाड़िया को डेट कर चुकी हैं। सारा ने इंटरव्यू में कहा था- 'वीर इकलौता लड़का है, जिसे मैंने डेट किया है। उनके अलावा मेरी जिंदगी में कोई बॉयफ्रेंड नहीं रहा।' जून 2016 में सारा अली खान और वीर पहाड़िया का रिश्ता खूब चर्चा में रहा था। दरअसल, मराठी फिल्म 'सैराट' की स्क्रीनिंग के दौरान सारा की उंगली में अंगूठी दिखाई दी थी। तब ऐसे कयास लगाए गए थे कि उन्होंने वीर से सगाई कर ली है। हालांकि, बाद में यह बात कोरी अफवाह साबित हुई। सारा और वीर एक साथ फिल्म 'स्काई फोर्स' में स्क्रीन शेयर कर चुके हैं। यह फिल्म 24 जनवरी 2025 को रिलीज हुई थी।हर धर्म का सम्मान करती हैं सारा -एक्टिंग के साथ-साथ सारा अपने संस्कारों के लिए काफी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस हर धर्म का सम्मान करती हैं। मंदिर से लेकर मस्जिद और गुरुद्वारे तक के दर्शन करती हैं। यही वजह है कि वो एक्टिंग के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल लाइफ में भी सफल रही हैं। हालांकि, इसकी वजह से भी सारा अली खान अक्सर ट्रोल होती रहती हैं। ट्रोलर्स ने सारा को कहा- नाम सीता रख लो- पिछले नवरात्रि के मौके पर सारा अली खान गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंचीं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। उन तस्वीरों को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोग काफी भड़क गए हैं। कुछ लोग एक्ट्रेस को नसीहत दे रहे हैं कि वह अपना नाम बदलकर सीता रख लें।सारा को यूजर्स एडवाइस दे रहे थे कि वह या तो अपना नाम चेंज कर लें या फिर धर्म बदल लें। एक यूजर ने एक्ट्रेस की पोस्ट पर कमेंट कर लिखा, यह सब नाटक है। तो वहीं दूसरे ने सवाल किया कि सारा कभी इस्लामिक जगहों पर क्यों नहीं जाती हैं? तीसरे ने लिखा- आप इस तरह इस्लाम को बदनाम नहीं कर सकतीं। इससे पहले सारा अली खान झारखंड के देवघर में बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर गई थीं। इस दौरान भी सारा ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, 'जय बाबा बैद्यनाथ।' इस कारण एक्ट्रेस को कमेंट करके ट्रोल किया जा रहा था। एक यूजर ने तो एक्ट्रेस से कह दिया था कि अपना 'नाम बदलकर सीता रख लो।सारा ने ट्रोलिंग को लेकर कहा था- मुझे मेरे धर्म को लेकर भी ट्रोल किया जाता है, लोग कहते हैं कि तुम मुस्लिम हो और हिंदू मंदिरों में जाती हो, लेकिन मुझे अब इन सब बात से फर्क पड़ना बंद हो गया है। मुझे ट्रोलिंग से डील करने में सबसे ज्यादा हेल्प मेडिटेशन करता है। मुझे मेडिटेशन से यह पता चलता है कि क्या रियल है और क्या नहीं। मेरे लिए समस्या कभी भी ट्रोलिंग नहीं थी, मेरा यह सोचना था कि मैं ही सबसे अच्छी हूं। अब, मैंने यह सोचना ही बंद कर दिया है।

कोर्ट जाना पड़े तो जाऊंगा- मुकेश खन्ना:शक्तिमान में रणवीर सिंह को रिप्लेस करने पर अड़े हैं

मुंबई। पॉपुलर इंडियन सुपरहीरो शो शक्तिमान पर लंबे समय से फिल्म बनाए जाने की तैयारी जारी है। सोनी पिक्चर्स ने एक्टर मुकेश खन्ना से फिल्म के राइट्स मांगे थे, लेकिन जैसे ही खबर सामने आई कि फिल्म में रणवीर सिंह शक्तिमान का रोल करेंगे, तो मुकेश खन्ना ने राइट्स देने से साफ इनकार कर दिया। उन्हें मनाने के लिए रणवीर सिंह उनके दफ्तर भी पहुंचे थे और 3 घंटे तक बातचीत की थी, लेकिन बात तब भी नहीं बनी। अब मुकेश खन्ना ने कहा है कि वो कतई रणवीर सिंह के साथ शक्तिमान नहीं बनने देंगे, भले ही उन्हें कोर्ट तक क्यों न जाना पड़े। हाल ही में गलाटा इंडिया को दिए इंटरव्यू में मुकेश खन्ना से पूछा गया था कि शक्तिमान (फिल्म) कब आएगी। इस पर उन्होंने कहा, मैं लेट हो गया हूं और अपनी ही जिद से लेट हुआ हूं। ये शक्तिमान फिल्म 2 साल पहले आ जाती कोरोना ने बीच में डिस्टर्ब किया, लेकिन मैंने फिर डिस्टर्ब करके कहा कि मुझे एक प्रॉपर कास्टिंग चाहिए शक्तिमान। एक स्टार को लेकर बात अटक गई है। अब तक मुझे जवाब नहीं मिला है। मैं कह ही नहीं सकता कब आएगी। आगे उन्होंने कहा, शक्तिमान का ।P

(इंटेलेक्चुल प्रॉपर्टी राइट) अब भी मेरा है, 6 साल के लिए हमने उन्हें (सोनी पिक्चर) को राइट्स दिए हैं, फिल्म बनाने के लिए। मैंने लिखवा दिया है कि फिल्म की आत्मा चैंज नहीं होगी। लेकिन मैंने तब ये नहीं लिखवाया था कि आप मुझे पूछकर एक्टर लोगे। उनका कहना है कि सर हमसे पूछेंगे जरूर, लेकिन फाइनल कॉल हमारा होगा। मुझे पहले पता होता तो मैं कभी साइन नहीं करता।मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह की शक्तिमान के रोल में हुई कास्टिंग पर ऐतराज जताते हुए कहा है कि आप राम के रोल में रावण दिखने वाले को नहीं डाल सकते। मुकेश खन्ना के ऐतराज जताने पर रणवीर सिंह उन्हें मनाने उनके दफ्तर पहुंचे थे। इस पर मुकेश खन्ना ने कहा, 10 बार बोल चुका हूं कि मेरी ऑफिस में 3 घंटे बैठकर गए हैं। बहुत अच्छी मीटिंग थी। बहुत अच्छे एक्टर हैं। बहुत अच्छा इंसान है। इतना इंट्रेस्टेड था कि 3 घंटे तक मनाने की कोशिश की। मैंने कहा अब मैं बोलूं, तो कहा नहीं अभी 15 मिनट और बोलने दीजिए। मैं अल्टीमेटली बस ये सोच रहा था कि मैं तुझे नहीं ले सकता। अगले दिन वायरल हो गया कि मुकेश जी ने अप्रूव कर दिया। मेरे को एक और वीडियो डालनी पड़ी उसी दिन कि मैंने कहा था कि वो अच्छा एक्टर है, लेकिन ये नहीं कहा कि वो शक्तिमान बनेगा। अब ये एक जंग है। आप मेरी बात नहीं मानते बना लो शक्तिमान मेरे बगैर।आगे उन्होंने कहा- मैं अब शक्तिमान के गाने खुद यूज नहीं करता, क्योंकि मैं उसे दे चुका हूं। ये एग्रीमेंट का जमाना है। मैंने गलती से दे दिया था। वो लोग भी जानते हैं कि मुकेश जी हो हटाकर हम नहीं बना सकते। करोड़ों को नुकसान मेरा हो रहा है। वो दे रहे थे करोड़ों का चैक। मेरे अकाउंटेंट ने कहा ले लो चैक। लेकिन मैंने कहा ऐसा नहीं कर सकता कि मैं चैक ले लूं फिर आपत्ति जताऊं। मैंने कहा चैक नहीं चाहिए मुझे। ये कोई नहीं करता। मैंने किया, ये मेरी मूर्खता है, लेकिन मैं सिद्धांतों का आदमी हूं। मैं जब तक लड़ सकूंगा, लड़ूंगा। कोर्ट में चलता है तो चलेंगे मैं तैयार हूं। बताते चलें कि फिल्म शक्तिमान की अनाउंसमेंट 2022 में हुई थी। फिल्म का फर्स्ट मोशन पिक्चर भी जारी किया जा चुका था, हालांकि रणवीर सिंह की कास्टिंग से फिल्म अटक गई है।

भारत में बैन, लेकिन वर्ल्डवाइड रिलीज होगी अबीर गुलाल,वाणी कपूर समेत मेकर्स की नागरिकता रद्द करने की मांग हुई, पहलगाम आतंकी हमले के बाद रिलीज रुकी थी

मुंबई। खूबसूरत और ऐ दिल है मुश्किल जैसी बेहतरीन बॉलीवुड फिल्मों में नजर आ चुके पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान फिल्म अबीर गुलाल से बॉलीवुड कमबैक करने वाले थे। उनकी ये फिल्म 9 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी कलाकारों पर पूर्णतः रोक लगा दी गई, जिससे फिल्म का जमकर विरोध हुआ था और मेकर्स को रिलीज रोकनी पड़ी थी। अब लंबे विवाद के बाद फिल्म अबीर गुलाल 29 अगस्त को वर्ल्डवाइड रिलीज हो रही है, हालांकि ये फिल्म बैन के चलते भारत में रिलीज नहीं होगी। फिल्म अबीर गुलाल की रिलीज डेट आते ही ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखकर इसके खिलाफ सख्त एक्शन लिए जाने की मांग की है। साथ ही एसोसिएशन ने इसे देशद्रोह बताते हुए एक्ट्रेस वाणी कपूर और फिल्म के डायरेक्टर-प्रोड्यूसर की नागरिकता रद्द किए जाने की भी मांग की है। लेटर में लिखा गया है- 'ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशनफिल्म अबीर गुलाल के प्रोड्यूसर, एक्ट्रेस वाणी कपूर और डायरेक्टर आरसी एस बागदी पर इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में काम करने से पूरी तरह बैन लगाता है। यह निर्णायक कदम राष्ट्रहित में उठाया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जो लोग राष्ट्रविरोधी तत्वों के साथ सहयोग करना चुनते हैं, उनका हमारे देश के कल्चरल इकोसिस्टम में कोई स्थान न हो। यह गहरी शर्म की बात है कि भारतीय नागरिक, जो हमारी सशस्त्र सेनाओं के अनगिनत बलिदानों से पूरी तरह अवगत हैं, खुलेआम एक पाकिस्तानी नागरिक के साथ सहयोग कर रहे हैं, जो एक आतंकी देश से है। यह फैसला हमारे शहीदों की याद का अपमान है, जिनमें पुलवामा (2019), 26/11 मुंबई हमले, पहलगाम आतंकी हमला और कई अन्य घटनाएं शामिल हैं, जहां पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने बहादुर सैनिकों और मासूम नागरिकों, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, की जान ली।' आगे लिखा गया है- 'क्या अबीर गुलाल के प्रोड्यूसर, एक्ट्रेस वाणी कपूर और उनकी पूरी टीम यह भूल गई है कि पाकिस्तान ने हजारों भारतीय बच्चों को अनाथ और अनगिनत महिलाओं को विधवा बना दिया है, उनके प्रियजनों की बेरहमी से हत्या करके? क्या वे यह भूल गए कि पहलगाम के बाद, हमारे देश को युद्ध जैसी स्थिति में धकेल दिया गया, राजनयिक विशेषाधिकार रद्द कर दिए गए और पाकिस्तान से सांस्कृतिक संबंध तोड़ दिए गए थे? फिर भी इन प्रोड्यूसर्स और एक्ट्रेस ने पैसों की लालच में हमारे शहीदों के खून को नजरअंदाज करने का रास्ता चुना है? यह कला नहीं है, यह व्यावसायिक देशद्रोह है। इस सहयोग से कमाया गया हर रुपया खूनी पैसा है, जो अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान की आतंकी मशीनरी को फंड करेगा, जिसका इस्तेमाल हमारे सैनिकों और नागरिकों को मारने के लिए हथियार खरीदने में किया जाएगा। यह युद्ध के दौरान दुश्मन की मदद करने से कोई अलग नहीं है। यदि बातचीत और आतंक साथ नहीं रह सकते, तो कला और आतंक को कभी भी साथ खड़े होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। निर्माता एक खतरनाक ट्रेंड का पालन कर रहे हैं, जैसा कि सरदार जी 3 टीम (दिलजीत दोसांझ के नेतृत्व में) ने किया था, जिन्होंने अपनी फिल्म पाकिस्तान में रिलीज की और वहां अपनाई गई, लेकिन देशभक्त भारतीयों द्वारा अस्वीकृत की गई। ऐसे कदम एक खतरनाक उदाहरण पेश करते हैं, जहां भारतीय फिल्म निर्माता घरेलू रिलीज प्रतिबंधों से बचकर पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम करते हैं और फिर उन बाजारों से मुनाफा कमाते हैं जो भारत के खिलाफ आतंकवाद को सक्रिय रूप से फंड करते हैं।'विवादों और बैन के चलते फिल्म की लीड एक्ट्रेस वाणी कपूर ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म से जुड़ा सारा कंटेंट हटा दिया है। इसके अलावा उन्होंने नई रिलीज डेट अनाउंस करने से भी परहेज किया है।फिल्म अबीर गुलाल की ही तरह दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3 भी विवादों में थी, क्योंकि इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर लीड रोल निभा रही थीं। भारत में बैन लगने के बाद दिलजीत दोसांझ की फिल्म के मेकर्स ने भी फिल्म को भारत में रिलीज करने की बजाय इसे ओवरसीज रिलीज किया था। इसके बाद फिल्म फेडरेशन ने दिलजीत दोसांझ को भारत में बैन करने की और उनका पासपोर्ट रद्द करने की मांग की थी। कई विरोध के बावजूद फिल्म 27 जून को रिलीज हुई और ब्लॉकबस्टर साबित हुई। महज 15 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने ओवरसीज 150 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया था।ये विदेशों में सबसे ज्यादा कमाने वाली पंजाबी फिल्म बन चुकी है। इस फिल्म ने दिलजीत की फिल्म जट एंड जूलियट का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

मुंबई पुलिस ने कॉमेडियन कपिल शर्मा की सुरक्षा बढ़ाई,कनाडा कैफे पर 2 बार फायरिंग हुई,सलमान संग काम करने पर लॉरेंस गैंग धमका चुका

अमृतसर। फेमस कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा को लॉरेंस गैंग से कथित तौर पर मिली जान से मारने की धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। यह फैसला कपिल के कनाडा स्थित कैप्स कैफे पर दो बार हुई फायरिंग के बाद लिया गया है। बता दें कि पिछले एक महीने में कपिल शर्मा के कैफे पर दो बार फायरिंग हो चुकी है। हालांकि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कैफे को नुकसान पहुंचा था। पहले हमले की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी हरजीत सिंह लाड्डी ने ली थी, जो बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा है और एनआईए की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल है। जबकि, दूसरे की गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने ली थी, जिसने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया। गोल्डी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल कर इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। उसका कहना था कि जो भी सलमान खान

के साथ काम करेगा, उसका यही अंजाम होगा। उधर, कपिल शर्मा इन दिनों अपने शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' को लेकर चर्चा में हैं, जो नेटफ्लिक्स पर हर शनिवार को स्ट्रीम होता है। धमकियों के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर सेट के आसपास मुंबई पुलिस ने अतिरिक्त इंतजाम किए हैं।पहला हमला 10 जुलाई को हुआ : कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे शहर में स्थित कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर पहला हमला 10 जुलाई को हुआ था। हमलावर ने 10 से 12 राउंड फायरिंग का वीडियो भी बनाया था। इसकी जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकवादी हरजीत सिंह लाड्डी ने ली थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर बताया था कि कॉमेडी शो के दौरान निहंग सिखों के खिलाफ टिप्पणी को लेकर उसने कपिल शर्मा के कैफे पर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। कपिल शर्मा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की चेतावनी दी थी और कहा कि माफी नहीं मांगी तो मामला और बिगड़ सकता है।दूसरा हमला 7 अगस्त को हुआ : कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर 7 अगस्त को दूसरी बार फायरिंग की थी। फायरिंग के वक्त कैफे बंद था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैफे की खिड़कियों में 6 गोली के निशान और टूटा हुआ शीशा दिखाई दिया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित ।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।